53 वर्ष पुराना दैनिक समाचार पत्र | पंजीयक-पंजीयन संख्या-25059/73 (79) | डाक पंजीकरण संख्या UP/BR-195/2022-24

न्यूनतम 26.4°c
अधिकतम 33.9 °c

Web: muzaffarnagarbulletin.co.in

मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन

सम्पर्क सूत्र : 9368549219, 8077929606 संस्थापक : स्व. उत्तम चन्द्र शर्मा रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

सूर्योदय - 5:50, सूर्यास्त - 6:53 | वर्ष : 53/अंक : 230 | बृहस्पतिवार, 21 अगस्त 2025 | भाद्रपद, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी | सम्वत् 2082 | मूल्य : 3 रुपये | कुल पृष्ठ-4

अमृतवाणी

बिना कुछ किये जिन्दगी गुजार देने से कहीं अच्छा है जिन्दगी को गलतियां करते गुजार देना।

यह मुज़फ़्फ़रनगर है...

शाहजहांपुर जिले के जलालाबाद नगर को अब परशुरामपुरी के नाम से जाना जाएगा : लखनऊ

कहीं और कोई जलालाबाद हो तो क्या उसका भी नाम बदलेगा?........

भोला-भाला एमडीए विभाग, नहीं जानता कैसे खुल जाते हैं अनैतिक द्वार...?

मुजफ्फरनगर, 20 अगस्त (बु.)। कई बार खुद ही सरकारी विभाग यह जाहिर करा देते हैं कि उनके विभाग में लापरवाही की कितनी हदें पार हो रही हैं। दरअसल इस देश में जब तक नौकरी छूटने का खतरा सरकारी अधिकारियों-कर्मचारियों पर नहीं मंडराता, तब तक प्रत्येक विभाग में ऐसी धींगामुश्ती मची ही रहेगी। आज हम बात कर रहे हैं ऐसा भोलापन दिखाने वाले एमडीए विभाग की। जिनसे एक-दो बार नहीं, बल्कि नौ बार सवाल पूछे जाने के बाद भी यह जवाब नहीं मिला कि सिटी सेंटर के सामने वाली गली में तीन दुकानों के शटर आखिर किसकी सहमति से खुल गए हैं। शुरू के तीन बार में तो बेचारे पढ़े लिखे जेई को लोकेशन ही नहीं मिल पाई और जब मिली भी, तो उसके बाद जेई का जवाब था कि हम वहां गए थे, मगर उन्हें मालिक का पता नहीं चल पाया। ऐसे जवाबों पर आम आदमी को हंसी आए ना आए, मगर मुजफ्फरनगर बुलेटिन को तो इसलिए हंसी आ गई कि जिन विभागों के नुमाइंदे सुबह से शाम तक इस फिराक में घूमते हों कि इस शहर में कोई अपने घर में छोटी सी रसोई बनाने के लिए पांच सौ ईंटें भी अपने घर के बाहर रखवा देगा, तो उस पर भी नोटिस जारी कर दिया जाएगा। ऐसे में बुलेटिन तो यह स्वीकार नहीं करेगा कि आए दिन गली-गली घूमने वाले एमडीए विभाग को एक नहीं, तीन दुकानों के शटर खुल जाने के बाद भी यह पता ही ना लग पाया हो कि ये शटर किसके आदेश अथवा सहमति पर खुल गए। बड़ी बात यह है कि बुलेटिन द्वारा नौ अलग-अलग ओहदे के विभागीय कर्मचारियों व अधिकारियों जिनमें जेई, एई व सचिव तक से कई बार बात की गई, तो सचिव ने एई और एई ने जेई के पाले में गेंद फेंककर खुद पत्रकारों को गोल-गोल घुमाया। अब ऐसे में अंदाजा लगा लीजिए कि आम आदमी को तो यहां पूरी पृथ्वी ही घुमाई जाती होगी।

बड़े अफसोस की बात है कि खुद को बेहतर सरकार बताने वाले भाजपाइयों के शासन में प्रत्येक विभाग निरंकुश दिखाई देता है। मगर ये तस्वीर धीरे-धीरे साफ होने लगी है कि भाजपा नेता या तो सरकारी अधिकारियों के विरुद्ध कुछ भी करने में असक्षम हैं या फिर इसके पीछे कुछ विशेष कारण हैं, जो एमडीए सहित प्रत्येक विभाग निरंकुश ही दिखाई पड़ता है। हालांकि बुलेटिन तो पहले ही यह कह चुका है कि कम से कम मुजफ्फरनगर में तो सब कुछ राम भरोसे चल रहा है। संतरी तो छोड़ो यहां मंत्री भी कुछ कर नहीं पा रहा है।

मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा लगातार पकड़े जा रहे नशा तस्कर, चरस और गांजे के साथ दो गिरफ्तार

147 ग्राम चरस और 1 किलो 381 ग्राम गांजा बरामद हुआ

मुजफ्फरनगर, 20 अगस्त (बु.)। मुजफ्फरनगर में नशे का कारोबार किस स्तर पर चल रहा होगा, इसका अंदाजा शायद लगाना नामुमकिन है, मगर धीरे-धीरे पुलिस के खुलासों से जो तस्वीर सामने आ रही है, उससे एहसास हो रहा है कि जैसे मुजफ्फरनगर नशे का हब बन चुका हो। इसी महीने के अंदर लगभग 15 करोड़ रुपये से अधिक के मादक पदार्थ जिनमें अफीम, चरस, गांजा, स्मैक आदि पकड़े जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को फिर पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि शहर कोतवाली पुलिस द्वारा मंगलवार देर रात चैकिंग के दौरान बड़कली कट के पास से दो तस्कर अमन मनराल उर्फ दादा निवासी थाना रामनगर जनपद नैनीताल व हाल पता सुभाष नगर, थाना क्लेमेंट टाउन, जनपद देहरादून, उत्तराखंड व परीक्षित उर्फ बाबा निवासी जटौली थाना पटौदी जनपद गुरुग्राम हरियाणा को दबोच लिया, जिनके पास से 147 ग्राम चरस और 1 किलो 381 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। दोनों को गिरफ्तार कर इनसे पूछताछ के बाद चालान कर दिया गया। दोनों के कब्जे से बिना नंबर प्लेट की कार, दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए। पुलिस ने दावा किया है कि बरामद गांजा-चरस की कीमत लगभग छह लाख रुपये है। पकड़े गए दोनों तस्करों ने बताया कि वह दोनों एक साथ मादक पदार्थों की तस्करी करते हैं। तथा उनका टारगेट स्कूल-कालेजों के छात्र रहते हैं और जैसी उनकी डिमांड होती है, उसी अनुसार वह छात्रों को चरस, गांजा आदि नशीले पदार्थ उपलब्ध कराते हैं। फिलहाल उक्त दोनों ट्रक चालकों को गांजा व चरस बेचने आए थे।

बुधवार को प्रेसवार्ता करते हुए पुलिस अधीक्षक देहात आदित्य बंसल ने बताया कि ककरौली थाना क्षेत्र के गांव चौरावाला निवासी अमरजीत के साथ लूट की वारदात हो गई थी। अमरजीत ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि मंगलवार दोपहर लगभग 12 बजे जब वह बेगराजपुर मेडिकल कॉलेज में मरीजों को छोड़कर वापस गांव लौट रहा था, तभी राजवाहे के रास्ते पर पीपल के पेड़ के नीचे ई-रिक्शा के पास खड़े दो युवकों ने उसे रोका और दो सौ रुपये की मांग की। जब उसने रुपये देने से इंकार कर दिया तो दोनों ने जबरदस्ती

शेष : समाचार पृष्ठ-4 पर

10वें कॉल पर जागा एमडीए प्रशासन, दो दुकानों को नोटिस, उक्त एक दुकानदार पर मेहरबान क्यों?

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण द्वारा बुलेटिन के किये 10वें कॉल पर जागते हुए आखिरकार दो दुकानों को नोटिस जारी कर दिया गया है। ये दुकानें, कथित तौर पर अनैतिक शटर लगाकर कैसे बैठे हैं, इन दुकानदारों को अब एमडीए में जवाब देना होगा, लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि प्रशासन ने तीसरी दुकान पर मेहरबानी क्यों दिखाई? फिलहाल एमडीए के जेई राजेंद्र कुमार ने टेलीफोनिक जानकारी देते हुए बताया कि दो दुकानदारों को नोटिस जारी किया गया है, जबकि तीसरे उक्त दुकानदार से भी शटर खोलने के दस्तावेज मांगे गए हैं, अगर ये भी दस्तावेज नहीं दिखा पाते हैं, तो जांच में अवैध निर्माण पाए जाने पर शटरों को तोड़ा जाएगा।

अभी तो दिया गया सिर्फ नोटिस, पता नहीं कब होगी कार्रवाई..?

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर बुलेटिन द्वारा 10 बार सिटी सेंटर के सामने खोले गए तीन दुकानों के द्वार की बाबत पूछने पर दसवीं बार में यह जवाब तो मिल गया कि नोटिस जारी कर दिया गया है, मगर बड़े सवाल तो अभी भी ज्यों के त्यों खड़े हैं, कि आखिर किसकी सहमति से ये द्वार खुले हैं और विभाग को पता कैसे नहीं चला? एमडीए के जेई राजेंद्र कुमार का बताना है कि उक्त मामले में दो दुकानदारों को नोटिस जारी किया जा चुका है, जबकि तीसरे दुकानदारी की मौखिक बात भी मान ली गयी कि उसके पास उक्त द्वार खोलने का अधिकार है, मगर तीसरा द्वार खोलने वाले व्यापारी ने किसी प्रकार का कोई प्रमाण उपलब्ध ही नहीं कराया कि किसकी इजाजत से उसने यह रास्ता खोला है। अब इस मामले में कितने वर्षों बाद कार्रवाई होगी, यह तो पता नहीं मगर यह तस्वीर साफ है कि एमडीए की कार्यप्रणाली में झोल है। अब देखना यह होगा कि उक्त तीनों दुकानदारों के विरुद्ध कब और क्या कार्रवाई हमल में लाई जाएगी या इस पर भी लीपा-पोती का काम किया जायेगा।

हथियारों के जखीरे के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

16 तमंचे 315 बोर सहित मस्कट, बंदूक व अधबने तमंचे बरामद

मुजफ्फरनगर, 20 अगस्त (बु.)। पिछले एक माह से लगातार मुजफ्फरनगर में हो रही घटनाओं व पुलिस के खुलासों से ऐसा लग रहा है कि जैसे हम बारूद के ढेर पर बैठे हों और कब कौन सा विस्फोट कहां हो जाएगा, इस बात से भी बेखबर हों। तभी अकेले ककरौली क्षेत्र से ही डेढ़ दर्जन से अधिक ऐसे लोग पकड़े जाते हैं, जो मुजफ्फरनगर जनपद को साम्प्रदायिकता की आग में झोंकना चाहते थे, इसके अलावा अब लगातार पुलिस कार्रवाई में हथियारों के जखीरे के साथ अपराधी पकड़े जा रहे हैं।

शाहपुर थाना क्षेत्र के बरवाला जाने वाले रास्ते पर एक घर में पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र निर्माण की फैक्ट्री पकड़ी है। बड़ी बात यह है कि इस फैक्ट्री को संचालित करने वाला आरोपित 52 वर्षीय दिव्यांग है, जिसका नाम मदनपाल निवासी ग्राम बरवाला है तथा इसी के साथ मुजफ्फरनगर शहर कोतवाली का रहने वाला मात्र 19 वर्षीय आसिफ भी शामिल है। आसिफ शहर कोतवाली क्षेत्र के शेरपुर का रहने वाला है। दिव्यांग होने की आड़ में मदनपाल अपना काम मात्र वैल्डिंग का बताकर

शेष : समाचार पृष्ठ-4 पर

सराहनीय कार्य के लिए एसएसपी ने किया 20 हजार का इनाम देने की घोषणा

मुजफ्फरनगर। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तगणों ने पूछताछ में बताया कि उनके द्वारा अवैध शस्त्रों को ऊंचे दामों पर बेच जाते थे तथा मुनाफे के पैसों को आपस में बंटवारा कर लेते थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा द्वारा सराहनीय कार्य करने वाली थाना शाहपुर पुलिस टीम को 20,000/- के इनाम देने की घोषणा की है।

शाहपुर में सैकड़ों ग्रामीणों द्वारा जबरदस्त रास्ता जाम

- दुष्कर्म के मामले में पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप - पुलिस ने लाठीचार्ज कर जाम खुलवाया - प्रदर्शन करने वाले आधा दर्जन महिला-पुरुष हिरासत में

शाहपुर, 20 अगस्त (बु.)। क्षेत्र के गांव कमालपुर में एक किशोरी के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में पुलिस की कार्यवाही से असंतुष्ट पीड़िता के परिजनों व ग्रामीणों ने कस्बा पुलिस चौकी पर जाम लगाकर धरना-प्रदर्शन कर रहे महिला-पुरुषों को सीओ बुढ़ाना व अन्य अधिकारियों के काफी समझाने व आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने का आश्वासन देने के बाद भी परिजन व ग्रामीणों के न मानने पर पुलिस ने जाम लगाने व धरना-प्रदर्शन कर रहे लोगों के विरुद्ध बल प्रयोग करते हुए जाम खुलवाने के साथ धरना-प्रदर्शन समाप्त करा दिया। पुलिस ने जाम लगाने व धरना-प्रदर्शन कर रहे आधा दर्जन महिला-पुरुषों को हिरासत में ले लिया। पुलिस की कार्रवाई से ग्रामीण आक्रोशित दिखाई दिए। थाना क्षेत्र के गांव कमालपुर में एक किशोरी के साथ हुए हुई दुष्कर्म की घटना के मामले में पुलिस की कार्यवाही से असंतुष्ट पीड़िता के परिजन व सैकड़ों ग्रामीण बुधवार की दोपहर थाने पर पहुंचे और पुलिस से घटना में शामिल सभी आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की मांग करते हुए हलका इंचार्ज पर तहरीर बदलवाने के साथ आरोपियों से सांठ-गांठ कर उनके विरुद्ध कार्यवाही न करने का आरोप लगाया। पुलिस ने परिजनों व ग्रामीणों को बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर सभी आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इससे परिजन व ग्रामीण संतुष्ट नहीं हुए और परिजन व ग्रामीण थाने से ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर कस्बा पुलिस चौकी पर पहुंच गए और ट्रैक्टर-ट्रॉली को आड़ी-तिरछी खड़ी कर मुजफ्फरनगर बड़ौत व शाहपुर-शामली मार्ग पर जाम लगाने के साथ धरना देकर बैठ गए। परिजनों व ग्रामीणों ने हल्का इंचार्ज व आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए आला अधिकारियों को धरना स्थल पर बुलाने की मांग करते हुए पुलिस के पुलिस प्रशासन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। पुलिस ने परिजनों व ग्रामीणों को समझाने का काफी प्रयास किया, किंतु उन्होंने पुलिस की एक नहीं सुनी। इसी दौरान धरना-प्रदर्शन में शामिल पीड़िता के ताऊ ने अपने ऊपर ज्वलनशील तैलीय पदार्थ डालकर आत्मदाह करने का प्रयास किया। पुलिस ने तत्काल आत्मदाह करने का प्रयास करने वाले को दबोच कर अपनी हिरासत में ले लिया। इसी दौरान साक्षी वेलफेयर ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष शालू सैनी धरनारत परिजनों व ग्रामीणों के बीच पहुंची और उन्होंने पुलिस से वार्ता कर परिजनों व ग्रामीणों को बताया कि पुलिस पीड़िता के परिजनों के साथ है तथा परिजनों के बताए सभी आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इस पर भी ग्रामीणों ने कहा कि पुलिस आरोपियों से मिली हुई है, कोई कार्यवाही नहीं करेगी। इसके बाद भी परिजन व ग्रामीण धरने पर बैठे रहे। शाम करीब पांच बजे सीओ बुढ़ाना गजेंद्र पाल सिंह धरनारत पीड़िता के परिजनों व ग्रामीणों के बीच पहुंचे तथा उन्होंने सभी आरोपियों के विरुद्ध 24 घंटे के अंदर कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया, किंतु परिजनों व ग्रामीणों ने उनकी भी एक नहीं सुनी। सीओ बुढ़ाना प्रदर्शनकारियों को काफी देर तक समझाते रहे, किन्तु परिजन व ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे। इसके बाद पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए जाम खुलवाने के साथ धरना-प्रदर्शन समाप्त करा दिया। इसके अलावा जाम लगाने वाले व धरना-प्रदर्शन करने वाले लगभग आधा दर्जन महिला-पुरुष को हिरासत में ले लिया। पुलिस की कार्रवाई से ग्रामीणों में रोष देखा गया।

शोहदे ने की छात्रा के साथ छेड़छाड़, विरोध पर पीड़िता से मारपीट

- पीड़िता को थाने आने से रोकने की सूचना पर भारी पुलिसबल ने दी दबिश

भोपा, 20 अगस्त (बु.)। थाना क्षेत्र के एक गांव में शोहदें ने स्कूल से लौट रही छात्रा के साथ छेड़छाड़ की और इसके बाद देर शाम जब छात्रा अपनी बुआ के बच्चे के साथ खेल रही थी, तो आरोपी की बहन ने छात्रा को अपशब्द कहे, जब छात्रा ने आरोपी की बहन का विरोध किया, तो उसने अपनी बहन और मां के साथ मिलकर पीड़िता के साथ मारपीट कर दी, जिसके बाद पीड़िता को शिकायत के लिए थाने आने से रोके जाने की सूचना जैसे ही भोपा पुलिस को मिली, तो भारी संख्या में पुलिसकर्मियों ने आरोपियों के घर पर दबिश दी, लेकिन आरोपी घर से फरार हो गए। पुलिस मामले में कड़ी कार्यवाही में जुटी हुई है। भोपा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने थाने पर पहुंचकर बताया कि उसकी नाबालिग पुत्री क्षेत्र के ही एक विद्यालय में कक्षा दस की छात्रा है। आरोप है कि गांव का ही एक शोहदा स्कूल आते जाते समय छात्रा के साथ छेड़छाड़ कर रहा था। पीड़ितों ने आरोपी को कई बार समझाने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। बुधवार की दोपहर जब छात्रा स्कूल से घर लौट रही थी, तो आरोपी ने उसे रास्ते में रोक लिया और उसके साथ छेड़छाड़ की घटना को अंजाम दिया। देर शाम पीड़ित छात्रा अपने घर के बाहर अपनी बुआ के बच्चे के साथ खेल रही थी। पीड़िता ने बताया कि तभी मौके पर छेड़छाड़ के आरोपी की बहन आ गई और आरोपी द्वारा पीड़िता को भगा ले जाने की बात कहने लगी। पीड़ित छात्रा ने जब उसका विरोध किया, तो उसने अपनी बहन और मां को भी मौके पर बुला लिया और पीड़िता के साथ गाली-गलौच कर मारपीट कर दी। पीड़िता द्वारा घटना की सूचना अपने परिजनों को दी, जिसके बाद परिजन पीड़िता को साथ लेकर भोपा थाने पर आने लगे, तो आरोपी के घर आए कुछ आरोपियों ने घर के सामने खड़े होकर उन्हें थाने जाने से रोकने का प्रयास किया। पीड़िता को थाने आने से रोकने की सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश सिंह ने भारी संख्या में पुलिस बल के साथ आरोपियों के घर पर दबिश दी, लेकिन आरोपी घर से फरार हो गए। पीड़िता को थाने लेकर पहुंचे उसके पिता ने आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। भोपा पुलिस मामले में कड़ी कार्यवाही के मूड में नजर आ रही है।

वायुसेना के लिए सरकार खरीदेगी 97 तेजस विमान, कैबिनेट समिति ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने भारतीय वायुसेना के लिए लगभग 85,000 करोड़ रुपये की लागत से 97 हल्के लड़ाकू विमान तेजस लड़ाकू विमानों की प्रस्तावित खरीद को मंजूरी दे दी। इससे वायुसेना का ताकत में इजाफा होगा। केंद्र सरकार ने भारतीय वायुसेना के लिए लगभग 85,000 करोड़ रुपये की लागत से 97 हल्के लड़ाकू विमान तेजस लड़ाकू विमानों और छह उन्नत हवाई पूर्व चेतावनी एवं नियंत्रण (एईडब्ल्यूएंडसी) विमानों की प्रस्तावित खरीद को मंजूरी दे दी। इस मामले से जुड़े सूत्रों ने बुधवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने इन दोनों खरीद परियोजनाओं को हरी झंडी दे दी है। तेजस विमानों की खरीद लगभग 67,000 करोड़ रुपये की लागत से की जाएगी, जबकि एईडब्ल्यूएंडसी परियोजना पर सरकारी खजाने पर लगभग 18,000 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। रक्षा मंत्रालय की ओर से एअर इंडिया से पहले खरीदे गए सेकेंड-हैंड एयरबस-321 विमानों का इस्तेमाल एईडब्ल्यूएंडसी परियोजना के लिए किया जाएगा। जिसका उद्देश्य भारतीय वायुसेना की निगरानी और सिग्नल इंटेलिजेंस प्रणालियों को बेहतर बनाना है। 97 एलसीए तेजस (एमके-1ए) की खरीद रक्षा मंत्रालय की ओर से स्वदेश निर्मित इस जेट से जुड़े एक और सौदे के लगभग चार साल बाद हुई है। इससे पहले फरवरी 2021 में, रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए जेट की खरीद के लिए एचएएल के साथ 48,000 करोड़ रुपये का सौदा किया था। एकल इंजन वाला एमके-1ए, भारतीय वायुसेना के मिग-21 लड़ाकू विमानों की जगह लेगा। वायुसेना इन युद्धक विमानों को शामिल करने पर विचार कर रही है क्योंकि उसके लड़ाकू स्क्वाड्रनों की संख्या आधिकारिक तौर पर स्वीकृत 42 से घटकर 31 रह गई है। तेजस एक एकल इंजन वाला बहु-भूमिका वाला लड़ाकू विमान है जो उच्च-खतरे वाले हवाई वातावरण में संचालन करने में सक्षम है। इसे वायु रक्षा, समुद्री टोही और हमलावर भूमिकाओं के लिए डिजाइन किया गया है। तेजस का कुल वजन 6540 किलोग्राम है। सिंगल इंजन वाले इस विमान को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने तैयार किया है। यह 50 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ान भरने में सक्षम है और एक बार में 3000 किलोमीटर की दूरी तय कर सकता है। तेजस हवा में ही ईंधन भर सकता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें नौ तरह के हथियार लोड किए जा सकते हैं, जिनमें हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल, हवा से पानी में मार करने वाली मिसाइल, हवा से धरती पर मार करने वाली मिसाइल और लेजर गाइडेड मिसाइल आदि शामिल हैं।

संविधान में 130वां संशोधन विधेयक पेश करेगी सरकार

नयी दिल्ली, 20 अगस्त (वार्ता)। सरकार लोकसभा में बुधवार को तीन महत्वपूर्ण विधेयक पेश करेगी और फिर गृहमंत्री अमित शाह इन तीनों विधेयकों को संयुक्त समिति को भेजने का भी प्रस्ताव करेंगे। लोकसभा के एजेंडे के अनुसार गृहमंत्री अमित शाह संविधान में एक और संशोधन करने वाले संविधान (130वां संशोधन) विधेयक 2025, संघ राज्य क्षेत्र शासन अधिनियम 1963 का और संशोधन करने वाले संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक 2025, जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 का और संशोधन करने वाले जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025 पेश करेंगे। संसद में पेश हो रहे इन विधेयकों का मकसद है कि यदि प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, किसी राज्य के मुख्यमंत्री या केंद्र शासित प्रदेश के मंत्री को गंभीर आपराधिक मामलों में 30 या उससे अधिक दिनों के लिए गिरफ्तार या हिरासत में लिया जाता है तो उन्हें उनके पद से हटाया जा सकेगा। श्री शाह इन तीनों विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने के लिए लोकसभा में प्रस्ताव भी करेंगे। कांग्रेस ने इन विधेयकों को लेकर आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार विपक्ष को अस्थिर करने के लिए नया कानून ला रही है।

5000 किलोमीटर तक दुश्मनों की खैर नहीं, तबाह कर देगा अग्नि-5 मिसाइल, सफल परीक्षण

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसी)। चीन-पाकिस्तान समेत भारत के दुश्मनों की खैर नहीं. भारत ने बुधवार को मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि 5 मिसाइल का परीक्षण किया है। भारत ने ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण केंद्र से सफलतापूर्वक अग्नि 5 मिसाइल का परीक्षण किया। इस परीक्षण में सभी परिचालन और तकनीकी मापदंड सफल रहे। रक्षा मंत्रालय ने बताया यह परीक्षण सामरिक बल कमान के तत्वावधान में किया गया। अब 5 हजार किलोमीटर दूर बैठे दुश्मनों की खैर नहीं. भारत ने बुधवार को अग्नि 5 मिसाइल का सफल परीक्षण कर लिया है। भारत ने ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से इस मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि अग्नि-5 मिसाइल मौजूदा परीक्षण में सभी परिचालन और तकनीकी मानदंडों पर खरी उतरी है। इसमें कहा गया है कि यह परीक्षण सामरिक बल कमान के तत्वावधान में किया गया। अग्नि-5 भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की ओर से बनाई गई परमाणु-सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल है। अग्नि सीरीज की सबसे एडवांस मिसाइल है। यह सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल है। इस मिसाइल में अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इसमें आधुनिक नेविगेशन है, जो इसकी सटीकता को और बढ़ाती है। यह मिसाइल कई परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। अग्नि-5 भारत की सबसे ताकतवर मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है। इसकी रेंज करीब 5000 किलोमीटर तक की है, यानी पाकिस्तान और चीन के साथ-साथ आधी दुनिया इस मिसाइल की जद में है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने 11 मार्च 2024 को इसी परीक्षण रेंज से मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल तकनीक का इस्तेमाल करके अग्नि-5 का सफल परीक्षण किया था। सूत्रों के अनुसार, विभिन्न दूरमापी और रडार केंद्रों से इस पूरे परीक्षण पर नजर रखी गई और यह मिसाइल सभी निर्धारित मापदंडों पर खरी उतरी। भारत ने पहली बार अग्नि-5 मिसाइल का सफल परीक्षण 19 अप्रैल 2012 को चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से किया था, तब इस मिसाइल को हिंद महासागर में एक निर्दिष्ट बिंदु पर प्रक्षेपित किया था। यह मिसाइल अधिकतम 600 किलोमीटर की ऊंचाई पर जा सकती है।

स्वास्थ्य विभाग की नगर में बड़ी कार्रवाई, 3 पैथोलॉजी लैब सील

मुजफ्फरनगर, 20 अगस्त (बु.)। सीएमओ सुनील तेवतिया के निर्देशों के अनुपालन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में झोलाछाप एवं अपंजीकृत पैथोलॉजी लैबों पर विशेष छापामारी अभियान चलाया गया। अभियान के बीच एसीएमओ डॉ. विपिन कुमार ने नगर क्षेत्र में औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जनपद के विभिन्न मौहल्लों में संचालित 3 अपंजीकृत लैब पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें सील कर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। स्वास्थ्य विभाग की पहल पर नगरीय क्षेत्र में की गई छापेमारी में एसीएमओ डॉ. विपिन कुमार के नेतृत्व में गांधी नगर क्षेत्र में एमके लैब, डायमंड पैथोलॉजी लैब कलेक्शन सेंटर और एडवांस पैथोलॉजी लैब, कमल नगर को बिना पंजीकरण के संचालित पाए जाने पर सील कर दिया गया। सीएमओ डॉ. सुनील तेवतिया ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता आमजन को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि अपंजीकृत लैब एवं झोलाछाप चिकित्सक जनता के जीवन के लिए गंभीर खतरा हैं, जिन्हें किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस प्रकार की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और भविष्य में भी ऐसे अभियानों के माध्यम से दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

भारी टैरिफ के बीच ट्रंप को लगा करारा झटका, 5% डिस्काउंट पर भारत को तेल देंगे पुतिन

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसी)। रूस ने अमेरिका के दबाव को दरकिनार करते हुए भारत को कच्चे तेल पर 5% डिस्काउंट देने का ऐलान किया है। पुतिन के इस फैसले से ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका लगा है। अमेरिका ने भारत पर रूसी तेल खरीदने को लेकर टैरिफ और प्रतिबंध लगाए, लेकिन भारत ने साफ कहा कि आर्थिक दबाव में झुकेगा नहीं। यह कदम भारत-रूस ऊर्जा सहयोग को और मजबूत करेगा, जबकि वैश्विक स्तर पर अमेरिका की रणनीति पर सवाल खड़े कर रहा है। अमेरिका के दबाव और कड़े प्रतिबंधों के बावजूद रूस ने भारत को ऊर्जा आपूर्ति में बड़ा फायदा देने का ऐलान किया है। भारत में रूस के उप-व्यापार प्रतिनिधि एवगेनी ग्रिवा ने कहा कि भारत को कच्चे तेल की खरीद पर लगभग 5% की छूट दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह दर निश्चित नहीं है, बल्कि व्यापारिक समझौतों के आधार पर इसमें थोड़ा-बहुत उतार-चढ़ाव संभव है। एवगेनी ग्रिवा ने कहा कि मौजूदा राजनीतिक स्थिति के बावजूद भारत लगभग उसी स्तर पर रूसी तेल का आयात करता रहेगा। उन्होंने कहा कि छूट का यह फामूर्ला एक व्यावसायिक रहस्य है और आमतौर पर यह 5% के आसपास रहता है। उनके साथ मौजूद रूसी मिशन के उप-प्रमुख रोमन बाबुश्किन ने भी भरोसा जताया कि बाहरी दबावों और चुनौतियों के बावजूद भारत-रूस ऊर्जा सहयोग निर्बाध रूप से चलता रहेगा। दूसरी ओर, अमेरिका ने भारत पर आरोप लगाया है कि वह रूसी तेल खरीदकर यूक्रेन युद्ध को वित्तीय सहारा दे रहा है। व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने कहा कि भारत रूसी तेल का एक तरह से वैश्विक क्लियरिंग हाउस बन गया है। उनके मुताबिक भारत रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदकर उसे उच्च मूल्य वाले उत्पादों के रूप में निर्यात करता है, जिससे मास्को को आवश्यक डॉलर प्राप्त होते हैं। अमेरिका ने भारत पर रूस से तेल खरीदना जारी रखने के कारण 50% टैरिफ लगा दिया है। इससे भारत के कई निर्यात क्षेत्रों जैसे कपड़ा, समुद्री उत्पाद और चमड़ा उद्योग पर गहरा असर पड़ने की आशंका है। भारत ने इस कदम को अनुचित और अविवेकपूर्ण बताते हुए कड़ी निंदा की है।

अब्बास अंसारी को इलाहाबाद उच्च न्यायालय से मिली बड़ी राहत

प्रयागराज 20 अगस्त (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आज माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे पूर्व विधायक अब्बास अंसारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने अब्बास अंसारी की याचिका को मंजूर कर लिया और उनको एमपी एमएलए स्पेशल कोर्ट मऊ से मिली 02 साल की सजा रद्द कर दी है। बता दे कि अब्बास अंसारी ने सजा रद्द करने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी।जिस पर सुनवाई करते हुए जस्टिस समीर जैन ने अब्बास अंसारी की 2 साल की सजा को रद्द कर दिया है। अब अब्बास अंसारी की विधायकी बहाल हो जाएगी,इस फैसले के बाद अब मऊ की सदर विधानसभा सीट पर उपचुनाव नहीं होगा, हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद 30 जुलाई को अपना फैसला रिजर्व कर लिया था और उस पर आज फैसला सुनाया। वर्ष 2022 विधानसभा चुनाव के दौरान भड़काऊ भाषण के मामले में एमपी एमएलए कोर्ट मऊ ने अब्बास पर 31 मई को 2 वर्ष की सजा और 3000 जुर्माना लगाया था,इसी आधार पर 1 जून 2025 को अब्बास अंसारी की विधायकी चली गई थी। जिला जज मऊ की अदालत ने 5 जुलाई को अपील खारिज कर दी थी,जिसके बाद अब्बास अंसारी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर जिला जज मऊ के आदेश को चुनौती दी थी,अब्बास अंसारी की ओर से अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने पक्ष रखा था,जबकि यूपी सरकार की ओर से महाधिवक्ता अजय कुमार मिश्रा और अपर महाधिवक्ता एम सी चतुर्वेदी ने दलीलें पेश की थीं,उन्होंने एमपी एमएलए स्पेशल कोर्ट मऊ के फैसले पर रोक लगाने का विरोध किया था।

राधाकृष्णन ने उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया

नयी दिल्ली, 20 अगस्त (वार्ता)। उप राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस एतिहासिक मौके पर प्रधानमंत्री उप राष्ट्रपति उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के प्रस्तावक बने। इस अवसर पर उनके साथ श्री मोदी के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और राजग सहयोगी दलों के वरिष्ठ नेता तथा जनता दल यूनाइटेड से ललन सिह और संजय झा, लोजपा (रामविलास) से चिराग पासवान, केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी के अलावा और भी कई केन्द्रीय मंत्री मौजूद थे। श्री राधाकृष्णन का नामांकन चार सेटों में दाखिल हुआ है। जिनमें से प्रत्येक पर 20 प्रस्तावकों और 20 अनुमोदकों के हस्ताक्षर हैं।

पहले सेट में मुख्य प्रस्तावक के रूप में प्रधानमंत्री मोदी के हस्ताक्षर हैं, जबकि बाकी सेटों में केंद्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ राजग नेताओं के हस्ताक्षर हैं, जो गठबंधन में व्यापक सहमति को दर्शाता है।उप राष्ट्रपति उम्मीदवार राधाकृष्णन के इस एतिहासिक मौके पर संसद भवन में नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान मंत्रियों और सांसदों सहित राजग के लगभग 160 सदस्य उपस्थित रहे। श्री राधाकृष्णन को नामित करने का निर्णय केंद्रीय मंत्री प्र''ाद जोशी के आवास पर आयोजित राजग के नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया।

अफगानिस्तान में बस -ट्रक हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 79 हुई

काबुल, 20 अगस्त (वार्ता)। अफगानिस्तान के पश्चिमी प्रांत हेरात में मंगलवार रात हुए सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 79 हो गयी है। गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि मृतकों में 19 बच्चे भी शामिल हैं। दुर्घटना उस वक्त हुई जब ईरान से हेरात लौट रही बस एक मोटर साईकिल से टकराने के बाद वहां अन्य मिनी ट्रक से टकरा गई। टक्कर के बाद बस में आग लग गयी और यात्रियों को बाहर निकलने का मौका भी नहीं मिल सका। यह दुर्घटना इतनी भयानक थी कि आग में जले शवों की पहचान भी मुश्किल हो गयी है। इस बस में ईरान से अफगानिस्तान लौट रहे लोग सवार थे। हेरात के एक अधिकारी ने पहले पुष्टि की थी उसने 64 शवों की गिनती की थी और अन्य लोग बुरी तरह घायल थे। अधिकारियों ने कहा कि यह दुर्घटना लापरवाही से वाहन चलाने से हुयी है

कबूतर के पंजे में लगी धमकी भरी चिट्ठी मिलने के बाद जम्मू तवी रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा बढ़ायी

जम्मू, 20 अगस्त (वार्ता)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सतर्क जवानों ने जम्मू-कश्मीर के रणबीर पुरा सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक कबूतर को पकड़ा, जिसके पंजे पर बंधी एक चिट्ठी मिली जिसमें आने वाले दिनों में शक्तिशाली विस्फोटक उपकरण (आईईडी) विस्फोट की धमकी दी गयी है। सूत्रों के अनुसार, बीएसएफ के जवानों ने 18 अगस्त को एक कबूतर को पकड़ा, जिसके पंजे में एक चिट्ठी बंधी हुई थी और उस पर जम्मू तवी रेलवे स्टेशन को उड़ाने का संदेश लिखा था। उन्होंने बताया, ''बीएसएफ के जवानों ने सीमा पर एक अग्रिम चौकी के पास उड़ते हुए कबूतर को देखा और उसे पकड़ लिया।'' उन्होंने बताया कि चिट्ठी पर उर्दू और अंग्रेजी में संदेश लिखे थे। सूत्रों ने बताया कि उर्दू में संदेश में लिखा था, ''कश्मीर हमारा है, समय आ गया है, आएगा। जबकि अंग्रेजी में 'जम्मू स्टेशन आईईडी विस्फोट' की बात लिखी थी। जिसके बाद आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि धमकी भरे संदेश मिलने के बाद जम्मू तवी रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। रेलवे अधिकारियों ने हालांकि कहा कि सुरक्षा संबंधी मॉक ड्रिल नियमित हैं। उन्होंने कहा, ''रेलवे पुलिस बल, जीआरपी और सादे कपड़ों में तैनात जवान, रेलवे स्टेशन के सभी संवेदनशील स्थानों पर सतर्कता बरत रहे हैं। इस बीच, बीएसएफ और सुरक्षा एजेंसियां जांच कर रही हैं कि क्या कबूतर सीमा पार से इस तरफ आया था।

राज्यमंत्री दिनेश खटीक मोनू के परिजनों से मिले

बुढ़ाना, 20 अगस्त (बु.)। उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री दिनेश खटीक आज कस्बा बुढ़ाना में मृतक मोनू के परिजनों से मिले और उनको सांत्वना देकर पुलिस को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उधर पूर्व विधायक उमेश मलिक ने भी मोनू खटीक के परिजनों से मुलाकात कर उनको न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। बुढ़ाना विधानसभा क्षेत्र के कस्बा बुढ़ाना में मोनू खटीक की दुखद मृत्यु पर संवेदना व्यक्त करने आज तीसरे दिन भी पूर्व विधायक उमेश मलिक परिजनों से मिले। इस दौरान राज्यमंत्री दिनेश खटीक ने भी पीड़ित परिवार से मुलाकात की, लेकिन पूर्व विधायक उमेश मलिक लगातार तीसरे दिन भी पीडित परिवार के साथ खड़े दिखाई दिए। उन्होंने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया और भरोसा दिलाया कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कराई जाएगी और परिवार को हर संभव सहायता दी जाएगी। यहां भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री सुधीर खटीक, एसपी देहात आदित्य बंसल, एसडीएम अपूर्वा यादव, भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि तीन दिन पूर्व मोनू नाम के एक युवक की कुछ लोगों को द्वारा चोर बताकर पिटाई कर दी गयी थी, जिसमें अगले दिन मोनू की उपचार के अभाव में उसके घर पर ही मौत हो गयी थी। इस मामले में पुलिस एक हत्यारे को गोली मारकर पकड़ चुकी है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में दबिशें जारी हैं।

सार्वजनिक सूचना

मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण-पत्र संख्या 11862, दिनांक 8/11/2016 में नियमों की जानकारी न होने के कारण मेरे द्वारा पुत्री का नाम देवांशी राणा अंकित नहीं कराया गया था। नाम पंजीकरण हेतु आवेदन-पत्र सम्बंधित विभाग में प्रस्तुत किया गया है।

निवेदक-मोहित कुमार
ग्राम- बढेड़ी, जिला- मुजफ्फरनगर
मो. 7417319164

सार्वजनिक सूचना

मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण-पत्र संख्या 2857, दिनांक 21/03/2017 में नियमों की जानकारी न होने के कारण मेरे द्वारा पुत्री का नाम फलक अंकित नहीं कराया गया था। नाम पंजीकरण हेतु आवेदन-पत्र सम्बंधित विभाग में प्रस्तुत किया गया है।

निवेदक-खालिद
723, रामलीला टिल्ला, मुजफ्फरनगर
मो. 9719446131

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम KAVITA से बदलकर KAVITA MITTAL W/O SACHIN MITTAL, निवासी 15/2-बी, नई मंडी, मुजफ्फरनगर कर लिया है। भविष्य में सभी उद्देश्यों के लिए मुझे KAVITA MITTAL के नाम से ही जाना व पहचाना जाये।

डीएस पब्लिक स्कूल में शिल्प प्रदर्शन एवं जागरूकता कार्यक्रम

मुजफ्फरनगर, 20 अगस्त (बु.)। डीएस पब्लिक स्कूल में शिल्प कला प्रदर्शनी व हस्तशिल्प कला जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हस्तकला सेवा केंद्र सहारनपुर से आई टीम ने विद्यार्थियों को शिल्प कला की जानकारी देते हुए क्षेत्र में भविष्य की संभावना के विषय में विस्तार से समझाया। कार्यक्रम में भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के असिस्टेंट डायरेक्टर अशोक कुमार गुप्ता, एलडीसी अरविंद कुमार सहित काष्ठ कला में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता जहीर अहमद एवं जरी कारीगरी में राज्य पुरस्कार विजेता अर्चना रानी और काष्ठ कला में राज्य पुरस्कार विजेता नईम अहमद व मानसी नामदेव ने विद्यार्थियों को शिल्प कला तथा शिल्पकारों से संबंधित सरकार की योजनाओं के विषय में समझाया। स्कूल प्रधानाचार्य गगन शर्मा ने अतिथियों का बुके, माल्यार्पण करके स्वागत किया। कार्यक्रम में असिस्टेंट डायरेक्टर अशोक कुमार गुप्ता ने बताया कि यदि आपके अंदर शिल्प कला से संबंधित किसी भी प्रकार का कोई हुनर है तो सरकार द्वारा चलाए जा रहे हस्तशिल्प कला सेवा केंद्र आपको अपना हुनर दिखाने का बड़ा मंच प्रदान करने के साथ-साथ आपके क्षेत्र से संबंधित प्रशिक्षण सहित सभी जरुरी मदद उपलब्ध कराते हैं। जरी में राज्य पुरस्कार विजेता अर्चना रानी ने भी विद्यार्थियों को बताया कि कोई भी 18 वर्ष से अधिक आयु का नागरिक, जिसमें हस्त शिल्प कला से संबंधित कोई हुनर है वह शिल्प सेवा केंद्र पर शिल्पी कार्ड के लिए आवेदन कर सकता है। शिल्पी कार्डधारक शिल्पकारों को सरकार द्वारा अनेक प्रकार की सहायता प्रदान की जाती है। सभी शिल्पकारों के हुनर से सभी विद्यार्थी एवं शिक्षक शिक्षिकाएं बहुत प्रभावित हुए। कार्यक्रम के अंत में हस्तशिल्प कला सेवा केंद्र से आई टीम ने विद्यालय प्रशासन का उनके सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। प्रधानाचार्य गगन शर्मा ने ज्ञान से भरपूर इस कार्यक्रम को विद्यार्थियों हेतु विद्यालय में आयोजित करने के लिए पूरी टीम का आभार प्रकट किया तथा उनको धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी का सहयोग रहा।

संस्थापक सम्पादक एवं हमारे प्रेरणास्रोत स्व. उत्तमचन्द्र शर्मा

मुजफ्फरनगर बुलेटिन

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक श्रीमति पूजा दुआ ने 'मुजफ्फरनगर बुलेटिन' प्रातःकालीन दैनिक 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर को 'दैनिक बुलेटिन प्रेस' 223-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से मुद्रित कराकर 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक-अंकुर दुआ
(प्रकाशक)-98370-42840, 94127-10840
(विज्ञापन)-9368549219 (नि.) 7983359929
सम्पादक-9412210257
E-mail :
muzaffarnagar_bulletin@yahoo.co.in
muzaffarnagar_bulletin@rediffmail.com

जम्मू-कश्मीर को लेकर बड़ा फैसला, रिहायशी इलाकों से हटेगी सेना

जम्मू, 20 अगस्त (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर से एक बड़ी खबर आई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जम्मू कश्मीर में सेना की तैनाती को लेकर बड़ा फैसला किया गया है, जिसमें धीरे-धीरे सेना रिहाइशी इलाकों से हटाई जाएगी। यानी जिन इलाकों में राष्ट्रीय रायफल्स तैनात थी, वहां अब नागरिक क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था सीआरपीएफ और अन्य बलों को दी जा रही है। सूत्रों ने बताया है कि राष्ट्रीय रायफल्स की तैनाती अब सीमावर्ती क्षेत्रों पर होगी। इसके अलावा जम्मू कश्मीर पुलिस भी कानून व्यवस्था संभालेगी। इसके लिए नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से सीआरपीएफ की चार कंपनियाँ जम्मू कश्मीर भेजी जा रही हैं। ऐसा इसलिए भी किया जा रहा है, क्योंकि नक्सलवाद पर बहुत हद तक काबू पाया गया है। हालांकि, जानकारी ये मिली है कि इसके लिए एक साथ नहीं बल्कि कई स्टेज में काम किया जाएगा। जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद हालातों में सुधार आया है, जिसके बाद सरकार ये बड़ा फैसला ले पा रही है। बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी कई अर्धसैनिक बलों की तैनाती जम्मू-कश्मीर में की गई थी। इस फैसले के बाद पता चल रहा है कि सरकार सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नई रणनीति पर काम कर रही है। अगर ऐसा होता है तो धारा 370 हटाए जाने के बाद सरकार का बड़ा कदम होगा। वहीं, दूसरी तरफ नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सीआरपीएफ ने नक्सलवाद पर कंट्रोल लगाने में सफलता हासिल की है।

तीन जनपदों के जिला कृषि अधिकारी सस्पेंड, 10 अन्य को नोटिस

लखनऊ 20 अगस्त (वार्ता)। उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा है कि पदीय दायित्वों का निर्वहन में लापरवाही बरतने के आरोप में तीन जिलों के जिला कृषि अधिकारियों को निलंबित करने के साथ ही दस अन्य लोगों को नोटिस जारी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि नोटिस उन लोगों को जारी की जा रही है, जिनके पास खेत कम है और उन्होंने खाद ज्यादा उठा ली है। यहां कृषि भवन में बुधवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कृषि मंत्री ने कहा कि जिन जिला कृषि अधिकारियों को निलंबित किया गया है। उनमें मंजीत कुमार सिंह, जिला कृषि अधिकारी बलरामपुर प्रकाश चंद्र विश्वकर्मा और अशोक प्रसाद मिश्र जिला कृषि अधिकारी श्रावस्ती शामिल है। प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में खाद की कालाबाजारी को लेकर रिपोर्ट मंगाई जा रही है। जांच के बाद उन पर कार्रवाई की जाएगी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा खाद की कमी पर सवाल उठाए जाने को लेकर कृषि मंत्री ने कहा कि अखिलेश को बोलने का कोई हक नही है।

उनके समय मे खरीफ सीजन में केवल 91.45 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में खरीफ फसलों की बुवाई हुई थी जबकि किसानों को समय से उन्नत बीज खाद पानी सिंचाई संसाधनों में निरंतर वृद्धि के परिणाम स्वरुप वर्ष 2023 24 में खरीफ के फसलों का आच्छादन बढ़कर 101.प8 हेक्टेयर हो गया है। 2024 में यह क्षेत्रफल 105.93 लाख हेक्टेयर हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सरकार बनते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 36000 किसानों की ऋष्ा माफी की थी। कृषि मंत्री ने बताया कि महाराजगंज में जून माह के दौरान 186 लोग ऐसे पाए गए हैं। जिन्होंने एक मीट्रिक टन से लेकर 2.375 मीट्रिक टन तक यूरिया का क्रय किया गया है। इन लोगों के द्वारा चार बार से लेकर 13 बार तक खाद का क्रय किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की जांच जोत के रकवे के साथ कराई जा रही है।

उन्नाव में दो ट्रकों में टक्कर, तीन जिंदा जले

उन्नाव, 20 अगस्त (वार्ता)। उत्तर प्रदेश में उन्नाव जिले के बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में बुधवार तड़के एक मिनी ट्रक और डंपर की टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई, जिससे तीन लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार हादसा हरदोई-उन्नाव मार्ग पर मरी कम्पनी मोड़ के पास सुबह करीब तीन बजे हुआ। उन्नाव से हरदोई की तरफ जा रहे डंपर ने विपरीत दिशा से आ रही डीसीएम ट्रक में टक्कर मार दी, इस घटना से दोनों गाड़ियो मे आग लग गई। बांगरमऊ कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत सिंह ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस बल, पीआरवी 3228 और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हादसे में डंपर चालक पवन यादव (निवासी- चौरा, थाना भोगनीपुर, कानपुर देहात), उसका सहायक सुमित (निवासी- छौंक, जनपद जालौन) तथा डीसीएम चालक महिपाल (करीब 50 वर्ष, निवासी- महर का मड़इया, थाना आसमोली, जनपद सम्भल) की जलकर मौत हो गई।डीसीएम का सहायक सोनू (25 वर्ष, निवासी- फतेहपुर उतमा, थाना हयातनगर, जनपद सम्भल) गंभीर रूप से घायल हुआ, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद गंजमुरादाबाद सीएचसी भेजा गया है। अधिकारी ने बताया कि क्षतिग्रस्त वाहनों को हाइड्रा की मदद से सड़क से हटा दिया गया है और शांति व्यवस्था संबंधी कोई समस्या नहीं है। हादसे के कारण मार्ग पर कई घंटे तक जाम की स्थिति रही, जिसे बाद में सामान्य कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियो के मुताबिक आग की लपटे इतनी तेज थीं कि लोग पास नही जा सके। हादसे के बाद सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और करीब तीन घंटे तक यातायात बाधित रहा।

1973-2025

सम्पादक की क़लम से

एक और संविधान संशोधन विधेयक

केंद्रीय गृहमन्त्री अमित शाह ने लोकसभा में 130वाँ संविधान संशोधन विधेयक, 2025 प्रस्तुत किया है। एसआईआर पर पहले ही से हंगामे के कारण बार-बार स्थगित होने वाली संसद में अब विपक्ष का डबल हंगामा देखने को मिला। इस विधेयक में केंद्र और राज्य के उन मंत्रियों को हटाने का प्रावधान है, जो भ्रष्टाचार या गंभीर अपराध के मामले में कम से कम 30 दिनों के लिए हिरासत में या गिरफ़्तार किए गए हों। इस विधेयक के जरिए संविधान के अनुच्छेद 75 में संशोधन करना है, जिसमें प्रधानमन्त्री के साथ मंत्रियों की नियुक्ति और ज़िम्मेदारियों की बातें हैं। इस विधेयक में प्रावधान है कि प्रधानमन्त्री, मुख्यमन्त्री सहित केंद्र, राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के मंत्री अगर लगातार 30 दिनों के लिए हिरासत में या गिरफ़्तार किए जाते हैं, तो उन्हें 31वें दिन पद से हटा दिया जाएगा। प्रथम दृष्ट्या तो यह विधेयक राजनीति में उच्च पदों की गरिमा और सुचिता के लिए अच्छा लग रहा है, किन्तु इसके विरोध में आ रहे तर्कों की अवहेलना भी नहीं की जानी चाहिए, इस विधेयक पर विस्तृत चर्चा होनी चाहिए। पिछले दिनों भ्रष्टाचार के मामले में एक मुख्यमंत्री ने ऐसे किसी कानून के न होने का बड़ी बेशर्मी से फायदा भी उठाया था। ड्राफ्ट बिल के मुताबिक, अगर किसी मंत्री को पद पर रहते हुए लगातार 30 दिन के लिए किसी कानून के तहत अपराध करने के आरोप में गिरफ़्तार किया जाता है और हिरासत में लिया जाता है, जिसमें पाँच साल या उससे ज्यादा की सजा का प्रावधान है, तो उसे राष्ट्रपति की ओर से प्रधानमन्त्री की सलाह पर पद से हटा दिया जाएगा। ऐसा हिरासत में लिए जाने के 31वें दिन हो जाना चाहिए। यह बिल तमिलनाडु की डीएमके सरकार में मंत्री रहे वी.सेंथिल बालाजी की गिरफ्तारी के बाद उपजे विवाद के बाद लाया गया है। मनी लॉन्डरिंग केस में बालाजी की गिरफ़्तारी के बाद तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने उन्हें पद से हटा दिया था। सुप्रीम कोर्ट से बालाजी को जमानत मिलने के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने उन्हें फिर मंत्री बना दिया था। बालाजी को फिर मंत्री बनाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई थी। इसके बाद उन्हें फेरबदल में हटा दिया गया था। अमित शाह ने लोकसभा कार्यालय को सूचित किया था कि संसद के जारी सत्र में ये तीन बिल 130वाँ संविधान संशोधन बिल, 2025, जम्मू-कश्मीर रीऑर्गनाइजेशन संशोधन बिल, 2025 और द गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज संशोधन बिल 2025 पेश किए जाएंगे। अभी तक ऐसा कोई प्रावधान नहीं था कि आरोप के आधार पर ही किसी मंत्री, मुख्यमन्त्री और प्रधानमन्त्री को पद से हटा दिया जाए। अभी तक दोषी ठहराए जाने के बाद ही सांसदों की सांसदी और विधायकों की विधायकी जाती है। अमित शाह ने बिल के मकसद और वजह की जो जानकारी दी है, उसे लोकसभा सांसदों के बीच बाँटा गया गया था। इसमें कहा गया है, निर्वाचित प्रतिनिधि भारत की जनता की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, उनसे आशा की जाती है कि वे राजनीतिक स्वार्थों से ऊपर उठकर केवल जनहित का काम करें। यह उम्मीद की जाती है कि पद पर रहते हुए मंत्रियों का चरित्र संदेह से परे हो। इसमें कहा गया है कि गंभीर आरोपों का सामना कर रहे, गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए किसी मंत्री से संवैधानिक नैतिकता और सुशासन के सिद्धांतों को नुकसान पहुँच सकता है। ऐसे में लोगों का व्यवस्था पर भरोसा कम होता है। गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ़्तार और हिरासत में लिए गए किसी मंत्री को हटाने का संविधान में कोई प्रावधान नहीं है। इसे देखते हुए प्रधानमन्त्री, मुख्यमन्त्री, केंद्र और राज्यों के मंत्रियों को हटाने के लिए अनुच्छेद 75, 164 और 239एए में संशोधन की आवश्यकता है। अब तक गिरफ्तारी या हिरासत में लिए जाने के बाद भी कई मंत्री इस्तीफा नहीं देते हैं। विपक्ष का कहना है कि इस कानून का दुरुपयोग हो सकता है। अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन को मुख्यमन्त्री के पद पर रहते हुए गिरफ़्तार किया गया था। इनकी गिरफ़्तारी पर विपक्ष ने कहा था कि इन्हें जानबूझकर फँसाया गया है। हेमंत सोरेन ने तो नैतिकता दिखायी थी, गिरफ्तारी से पहले इस्तीफा दे दिया था, लेकिन केजरीवाल जेल ही से सरकार चलाना चाहते थे, तब यह चर्चा आम थी कि ऐसा कोई कानून नहीं है, जो जेल में भी किसी को पद पर बने रहने से रोकता हो। सम्भवतया यह भी इस विधेयक को लाने का एक बड़ा कारण है और इससे कोई जनअहित नहीं होता, केवल पद की गरिमा और शुचिता स्थायी रहेगी। विपक्ष ने प्रस्तावित विधेयक पर कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि केंद्र सरकार राज्यों में गैर बीजेपी सरकार को अस्थिर करने के लिए कानून लाने की कोशिश कर रही है। विपक्षी दलों का कहना है कि 130वां संविधान संशोधन विधेयक भारत में लोकतंत्र को हमेशा के लिए खत्म कर देगा। विपक्षी दलों के नेताओं का कहना है कि इसके तहत केंद्रीय एजेंसियां राज्यों के मुख्यमंत्रियों को गिरफ्तार करवाएगी और उनकी मनमाने ढंग से गिरफ्तारी के तुरंत बाद उन्हें पद से हटा दिया जाएगा। लोकसभा में हंगामे के बीच विपक्ष के कुछ सदस्यों को गृहमन्त्री के सामने कागज फाड़कर फेंकते हुए देखा गया। विरोध के दौरान विपक्ष के कुछ सांसद लोकसभा की वेल में आकर विधेयक के खिलाफ नारेबाजी करने लगे, इस पर अमित शाह ने कहा कि सरकार इस बिल को जेपीसी को भेजने का प्रस्ताव रखती है, इसके बाद भी बिल को विरोध का सामना करना पड़ा। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि जब अमित शाह को गिरफ्तार किया गया था, तो क्या उन्होंने अपनी नैतिकता दिखाई थी? इस पर अमित शाह ने कहा कि मुझ पर जब आरोप लगे थे, तो मैंने गिरफ्तारी से पहले नैतिक रूप से इस्तीफा दिया था। कोर्ट से निर्दोष साबित न होने तक मैंने कोई संवैधानिक पद नहीं लिया था। ये क्या सिखाते हैं नैतिकता मुझे... हम भी चाहते हैं कि नैतिकता के मूल्य और बढ़ें और गिरफ्तार होने से पहले मैंने इस्तीफा दिया था, ये याद होगा सबको। विपक्ष का विरोध अपनी जगह है, उन्हें विरोध करना ही है, लेकिन जहाँ तक केन्द्र सरकार का मुख्यमंत्रियों को हटाने का सवाल है वह अधिकार तो अब भी केन्द्र सरकार के पास है। सरकार किसी भी सरकार को डिसमिस कर सकती है, लेकिन इस सरकार ने किसी सरकार को अभी तक डिसमिस नहीं किया, जबकि पहली सरकारों ने बहुत सी चुनी हुई सरकारों को डिसमिस किया था।

चार तीर

सुनील उत्सव

'खुशबु' 'गुण' 'मकसद' 'मंजिल'

न दम बातों में बाकी न खुशबु जिंदगानी में मिली है,
कोई भी गुण जो इन्सान में होना जरूरी है,नहीं है।
यूँ ही तू जी रहा है, न मकसद है,न मंजिल का पता है,
तू जिन्दा है मगर तुझ में जो कर्ता जरूरी है, नहीं है।

रस्म पगड़ी

सुनहु भरत भावी प्रबल, बिलखि कहेउ मुनि नाथ।
हानि–लाभ, जीवन–मरण, यश अपयश विधि हाथ।।

श्रीमति विजय अरोरा

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पूज्य माता जी
श्रीमती विजय अरोरा पत्नी श्री प्रमोद अरोरा जी का स्वर्गवास
दिनांक 11-08-2025, दिन- सोमवार को हो गया था।
प्रभु की ऐसी ही इच्छा थी।
दिवंगत आत्मा की शान्ति हेतु रस्म पगड़ी आज दिनांक 21-08-2025
दिन-बृहस्पतिवार को 2:00 से 3:00 बजे अपराह्न
स्थानः- गाँधी वाटिका, गाँधी कॉलोनी,
मुजफ्फरनगर पर होनी निश्चित हुई है।

शोकाकुल परिवार

प्रियांक अरोरा-सुरभि अरोरा (पुत्र-पुत्रवधू)
प्रवीण अरोरा-नीरजा अरोरा (देवर-देवरानी)
प्रदीप चावला-प्रज्ञा चावला (ननदोई-ननद)
दिनेश मित्रा-अन्जू मित्रा, कौशल मित्रा- राशी मित्रा (भाई-भाभी)
संतोष रतडा-सुरेन्द्र रतडा (बहन-बहनोई)
पार्थ अरोरा, युग अरोरा (पौत्र)

प्रतिष्ठान :- प्रमोद कुमार (शॉल वाले) गुरू तेग बहादुर मार्किट, मुजफ्फरनगर
निवास स्थानः- 117/1, गली नं0 13, गाँधी कॉलोनी, मुजफ्फरनगर
M.:9808416611, 9808601818

किसान दिवस में उठा विभाग प्रमुखों के न आने का मुद्दा

चकबंदी, बिजली, सिंचाई व टूटी सड़कों को लेकर दिखा रोष, बढ़ते प्रदूषण व नकली खाद व दवाई पर उठे सवाल

एडीएम प्रशासन की माता जी का निधन, 2 मिनट का रखा मौन

जिला पंचायत सभागार में आयोजित किसान दिवस में किसने की विभिन्न समस्याओं का समाधान किया गया। इस दौरान एडीएम प्रशासन संजय कुमार सिंह की माता जी के निधन पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ किसान दिवस में मौजूद किसानों ने भी 2 मिनट का मौन मृतक आत्मा की शांति के लिए रखा। डीएम उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न किसान दिवस 2 मिनट के मौन के बाद संपन्न हो गया।

मुजफ्फरनगर, 20 अगस्त (बु.)। शासन स्तर से प्रति माह जिला स्तर पर आयोजित किसान दिवस मात्र औपचारिकता बनकर रह गए हैं, जिसमें एक-दूसरे के संगठनों को आरोपित करना ध्येय रह गया है। वहीं किसान दिवस में जिम्मेदार अफसरों की उपेक्षा का मुद्दा किसान दिवस में उठने के बाद भी कोई सुधार अब तक नहीं हो पाया है। इसके साथ पूर्व में प्राप्त हुई समस्याओं का आंकड़ा संतोषजनक नहीं मिल पाने से किसान दिवसों की महत्ता समाप्त होती जा रही है। जिला पंचायत सभागार में डीएम उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुए किसान दिवस में चकबंदी, विद्युत आपूर्ति, बिजली बिल, सड़क निर्माण, जलभराव समेत विकास कार्यों की हाड़ में चारों ओर मची होड़ में नकली खाद बनाने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई में लीपापोती किए जाने को लेकर सवाल उठाए गए। इसके साथ किसानों की घरौनी व खतौनी संबंधी मामलों को प्रमुखता से उठाया। किसान दिवस में सुमित मलिक ने बीते 12 जुलाई को सिलाजुड्डी स्थित श्रीराम एग्रो कैमिकल पर प्रशासन द्वारा की गई छापेमारी में बड़ा मामला पकड़े के साथ नकली खाद व दवाई पकड़ी थी, लेकिन उस में आरोपियों को मिली राहत तमाम सवाल खड़े कर रही है। वहीं नकली खाद व दवाइयों का कारोबार किसानों की भूमि को बंजर बना रहा है। ऐसे गिरोहों पर सामान्य धाराओं के बजाए गैंगस्टर एक्ट जैसी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि अपराधियों के हौसले पस्त हों। सुमित मलिक ने जिले में बढ़ते प्रदूषण पर भी चिंता व्यक्त की कि वायु प्रदूषण के कारण कैंसर, अस्थमा, त्वचा संबंधी बीमारियों से जूझ रहे हैं। किसान दिवस में गांव-देहात में पशुओं में तेजी से फैलती खुरपका-मुंहपका बीमारी का मुद्दा भी उठा। इस मामले में डीएम ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को प्रभावित गांवों में तत्काल टीम भेजकर टीकाकरण अभियान चलाने के भी निर्देश दिए, ताकि पशुओं को बीमारी से बचाया जा सके। इसके अलावा तहसील स्तर पर विशेष डेस्क बनाए जाने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को यहां घरौनी और खतौनी से जुड़े प्रकरणों का निस्तारण किया जा सके। बैठक में किसानों ने बिजली की समस्याओं पर नाराजगी दर्ज कराते हुए उच्चाधिकारियों की उपस्थिति पर जोर दिया। इस दौरान एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत, नगर मजिस्ट्रेट पंकज कुमार राठौड़, डीडी कृषि प्रमोद सिरोही, जिला कृषि अधिकारी राहुल तेवतिया, डीपीआरओ रेणु श्रीवास्तव समेत अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। किसान दिवस में भाकियू जिलाध्यक्ष चौ. नवीन राठी, अंकित चौधरी, सुमित मलिक, श्यामपाल सिंह चेयरमैन समेत सैकड़ों किसान व भाकियू कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीएम बोले: मेरे पास नहीं जादू की छड़ी, आपसी सुलह-समझौतों से होगा समस्याओं का निदान

- समस्या समाधान में किसानों का सहयोग बहुत जरुरी: मिश्रा

मुजफ्फरनगर, 20 अगस्त (बु.)। किसान दिवस में डीएम उमेश मिश्रा ने किसानों से समस्या समाधान के मुद्दे पर छिड़ी बहस के बीच स्पष्ट किया कि मेरे पास कोई जादू की छड़ी नहीं है कि उसे घुमाते ही तमाम समस्याओं का समाधान हो जाएगा। गांव-देहात में समस्याओं का हल तभी संभव है, जब किसान प्रशासन को सहयोग देंगे। डीएम उमेश मिश्रा ने किसान दिवस में किसानों की समस्याएं सुनने के दौरान कहा कि जनपद में चकबंदी के मामले बीते 36 वर्षों से लंबित थे लेकिन किसानों के सहयोग से 95 प्रतिशत मामले निस्तारित हो चुके हैं।

उसी तर्ज पर अब कुर्रे लगाने के मामलों का भी समाधान कराया जाएगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि किसान अपनी समस्या बताएं, तो प्रशासन की टीम मौके पर जाकर उसका निस्तारण प्राथमिकता एवं आपसी सुलह से विवादों का हल कराने की है। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले चकरोड से जुड़े मामलों में डीएम ने कहा कि चकरोड किसी एक व्यक्ति की संपत्ति नहीं है, बल्कि यह सभी के उपयोग के लिए है। इस पर सभी को चलने का समान अधिकार है। उन्होंने घोषणा की कि अब जिले में वाद रहित गांव घोषित करने का अभियान शुरू किया जाएगा। उन्होंने समस्याओं के समाधान में जिला प्रशासन को सहयोग किए जाने का आह्वान किया।

निर्वाचन नामावलियों से जुड़ी जानकारी अफसरों से की साझा

मुजफ्फरनगर, 20 अगस्त (बु.)। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्वाचक नामावलियों में नाम दर्ज करने तथा शिफ्टिड व मृतक मतदाता के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के संबंध में एडीएम राजस्व गजेंद्र कुमार की अध्यक्षता में प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिला पंचायत सभागार में संपन्न प्रशिक्षण में एडीएम वित्त एवं राजस्व गजेन्द्र कुमार ने निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अफसरों के साथ सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्वाचन से जुड़े इस प्रशिक्षण को अच्छे से प्राप्त करते हुए जो दायित्व दिए गए हैं, उनको अच्छे से निर्वहन करें, इसमें किसी प्रकार की कोई लापरवाही ना बरती जाए। उन्होंने फॉर्म-6,7 व 8 के भरे जाने के साथ बूथ लेवल अधिकारियों के दायित्व एवं कर्तव्यों के विषय में विस्तारपूर्वक अवगत कराया। इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अप्राजिता आर्यन, सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी आदि ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

सीओ के नेतृत्व में आरएएफ ने की फुट पेट्रोलिंग

बुढ़ाना, 20 अगस्त (बु.)। मोनू खटीक की मौत के ठीक 2 दिन बाद आज बुधवार के दिन बुढ़ाना सर्किल के पुलिस क्षेत्राधिकारी गजेंद्र पाल सिंह के नेतृत्व में रेपिड एक्शन फोर्स के सैकड़ों जवानों ने कस्बे में शांति व्यवस्था बनाए रखने को फुट पेट्रोलिंग की। मोनू की मौत के बाद से ही स्थानीय पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड़ पर है। संवेदन और अति संवेदनशील क्षेत्रों में में भी पैदल गश्त किया गया। बताया जाता है कि अपराधों की रोकथाम एवं सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर सीओ गजेंद्र पाल सिंह के नेतृत्व में आरएएफ के जवानों ने पैदल पेट्रोलिंग की। इस दौरान भीड़भाड़ वाले स्थान और सार्वजनिक स्थान में असामाजिक तत्वों द्वारा जमावड़ा लगाकर नशा करने वालों, गुटबाजी करने वालों, संदिग्ध व्यक्तियों सहित धारदार हथियार रखकर घूमने वालों का पता लगाया जा रहा है। साथ ही कस्बे के आउटर क्षेत्रों में संदिग्ध स्थानों की लगातार चैकिंग की जा रही है। चैकिंग के दौरान जो भी संदिग्ध पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। यह सीओ गजेंद्र पाल सिंह का कहना है। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने एवं शराब पीने के लिए स्थान उपलब्ध कराने वालों का पता लगाया जा रहा है, साथ ही सार्वजनिक मैदान, पार्क, चौक चौराहों एवं सार्वजनिक स्थान पर 4 पहिया वाहन के अंदर बैठकर शराब पीने वालों के विरुद्ध अभियान के तहत कार्रवाई करने की बात कही गयी है। यहां कोतवाल आनंद देव मिश्र भी मौजूद रहे।

प्रजापति समाज ने किया डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन

मुजफ्फरनगर, 20 अगस्त (बु.)। जानसठ तहसील के ग्राम तालड़ा के दर्जनों प्रजापति समाज के लोगों ने डीएम दरबार में पहुंच गांव के दबंगों पर उनकी कुम्हार गड्ढों की भूमि पर अवैध कब्जा किए जाने की शिकायत की। इस दौरान ग्रामीणों से न्यायालय तहसीलदार जानसठ के आदेशों की अवहेलना किए जाने के गंभीर आरोप लगाते हुए उक्त भूमि को कब्जामुक्त न किए जाने की शिकायत करते हुए न्याय की गुहार लगाई। बुधवार को डीएम कार्याल्य पर पहुंचे दर्जनों प्रजापति समाज के लोगों ने उत्तर प्रदेशीय प्रजापति महासभा के जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार प्रजापति के नेतृत्व में डीएम उमेश मिश्रा से मुलाकात की और उन्हें जानसठ तहसील के ग्राम तालड़ा के गांव के ही कुछ दबंगों पर खसरा नंबर 134/2 जो गांव पंचायत के दस्तावेजों में कुम्हार गड्ढों की भूमि के रूप में दर्ज की गई है, पर दबंगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा किए जाने की शिकायत की। ग्रामीणों से डीएम को अवगत कराया कि इस मामले में न्यायालय तहसीलदार जानसठ द्वारा मुन्नी बनाम मिन्टू में दर्ज वाद में भी ओदश जारी किए जा चुके हैं, लेकिन दबंगों के द्वारा आदेशों की अवहेलना की जा रही है। उक्त गड्ढों की भूमि को कब्जा मुक्त न किए जाने से कुम्हारों को मिट्टी के बर्तनों को बनाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान सोनू, राहुल, दीपक, राजीव, अर्जुन, बसंत, हरिदास, बाबूराम प्रजापति आदि मौजूद रहे।

महिलाओं को लोन दिलाने का लालच देकर फाइनेंस कम्पनी चालक मोटी रकम लेकर फरार

खतौली, 20 अगस्त (बु.)। महिलाओं को लोन दिलाने का लालच देकर फाइनेंस कम्पनी चालक मोटी रकम की ठगी कर फरार हो गए। पीड़ित महिलाओं ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार धन फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के संचालक व कर्मचारियों द्वारा महिलाओं का साठ हजार रुपये का लोन स्वीकृत कराने का वादा करते हुए प्रत्येक महिला से 2260 रुपये फाइल चार्ज व बीमे के नाम से वसूल किये गए थे तथा महिलाओं को लोन दिलाने का आश्वासन देते हुए गांव गांव में प्रचार करके प्रत्येक गांव में दस-दस महिलाओं का समूह बनाया गया था। कम्पनी के झांसे में आकर साठ हजार रुपये का लोन प्राप्त करने के लालच में महिलाओं द्वारा 2260 रुपये के हिसाब से फाइल चार्ज व बीमे के लिए कम्पनी में जमा किये गए थे। कम्पनी में रुपये जमा करने वाली महिलाओं का आरोप है कि जब वह धन फाइनेंस कम्पनी लिमिटेड के तहसील के नजदीक स्थित कार्यालय पहुंची तो वहां कम्पनी का ऑफिस बंद मिलने तथा कम्पनी के कर्मचारी यामीन का भी कोई पता नहीं चल पाया। काफी तलाश करने के बाद लोन देने का झांसा देकर फरार कम्पनी संचालकों व कर्मचारियों का कोई सुराग न मिलने पर पीड़ित महिलाएं कोतवाली पहुंची जहां फाइनेंस कम्पनी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने की मांग की है।

बिजली घर के कर्मचारियों से गाली-गलौच की

जानसठ, 20 अगस्त (बु.)। बिजली घर जानसठ पर कार्यरत कर्मचारियों के साथ मीरापुर थाना क्षेत्र के गांव नरसिंहपुर निवासी एक व्यक्ति ने राष्ट्रीय लोकदल का कार्यकर्ता बताकर गाली-गलौच की, जिससे बिजलीघर पर तैनात कर्मचारियों में आक्रोश फैल गया। एसडीओ विद्युत ने उसके खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। सोमवार को विद्युत विभाग के उपखण्ड अधिकारी चंदन कुमार चौबे बिजली घर पर तैनात अवर अभियंताओं के साथ थाने पहुंचे। उन्होंने थाने में तहरीर देकर बताया कि मंगलवार की रात लगभग नौ बजे मीरापुर थाना क्षेत्र के गांव नरसिंहपुर निवासी आमिर ने बिजली घर पर तैनात कर्मचारियों के साथ फोन पर गाली-गलौच की है। उन्होंने बताया कि आमिर ने अपने आप को राष्ट्रीय लोकदल का कार्यकर्ता बताकर बिजलीघर में तैनात कर्मचारियों के साथ गाली-गलौच की। साथ ही उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी, जिससे बिजलीघर पर तैनात कर्मचारियों में आक्रोश फैल गया। थाना प्रभारी राजीव शर्मा ने बताया कि उपखंड अधिकारी चंदन कुमार चौबे ने मीरापुर थाना क्षेत्र के गांव नरसिंहपुर निवासी आमिर पुत्र मंगता के खिलाफ बिजलीघर पर तैनात कर्मचारियों के साथ गाली-गलौच करने व जान से मारने की धमकी देने की तहरीर दी है। जांच कर आगे की कार्यवाई की जाएगी।

शिक्षकों ने घेरा डीआईओएस कार्यालय, दिया धरना, लंबित मांगों के निस्तारण को सौंपा 31 सूत्रीय मांग पत्र

मुजफ्फरनगर, 20 अगस्त (बु.)। उ. प्र. माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर बुधवार को 31 सूत्रीय मांगों के साथ जिला स्तर पर लंबित मांगों को लेकर डीआईओएस कार्यालय पर धरना दिया गया। धरने की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष डॉ. अमित जैन व संचालन मंत्री अरुण कुमार ने किया। धरने पर मुख्य रूप से जिला संरक्षक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष शिवकुमार यादव ने कहा कि आज प्रदेश के सभी जिलों में धरना हो रहा है। इसी कड़ी में मुजफ्फरनगर में भी धरना दिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार लंबित मांगों के संदर्भ में कोई संज्ञान नहीं लेती है तो आगामी विश्लेषण के बाद बड़े आन्दोलन की घोषणा की जाएगी। धरने में जिलाध्यक्ष डॉ. अमित जैन ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली, शिक्षकों की सेवा सुरक्षा की धारा 21, 18 व 12, फ्री चिकित्सा सुविधा, समान कार्य-समान वेतन, सरल स्थानांतरण नीति आदि ज्ञापन में दी लम्बित समस्याएं सरकार को अविलंब मानना चाहिए। संगठन शिक्षकों की समस्याओं के लिए संघर्ष करता रहेगा। मंत्री अरुण कुमार ने बताया कि पुरानी पेंशन में आये साथियों की समस्याओं का निराकरण न होना, एनपीएस का पैसा उनके खातों में स्थानांतरित न किया जाना, पदोन्नति किए गए विभिन्न साथियों का वेतन निर्धारण, चयन, प्रोन्नत वेतनमान आदि अवशेषों का डीआईओएस एवं लेखाधिकारी स्तर पर लंबित वादों के निस्तारण की मांग की। इस दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से शिक्षकों ने 31 सूत्रीय ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम सौंपा गया। इस ज्ञापन को डीआईओएस राजेश कुमार श्रीवास ने मुख्यमंत्री को अविलम्ब प्रेषित करने एवं उनके कार्यालय तथा लेखाधिकारी स्तर पर लम्बित प्रकरणों को जल्द से जल्द निस्तारित कराए जाने का आश्वासन दिया। धरने पर मुख्य रूप से प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमार सिंह, प्रवीण शर्मा, सारिका जैन, सुभाष सिंह, आदित्य सक्सेना, पूर्व प्रधानाचार्य धर्मपाल सिंह, संजीव त्यागी, अजय अहलावत, राहुल कुमार, रवि प्रकाश यादव, राजीव कुमार, नमन जैन, संजय कुमार, हाकम सिंह, बिजेंद्र बहादुर सिंह, डॉ. विवेक तिवारी, वीरेंद्र सिंह पटेल, बृज बिहारी धुरिया, ललितेश, चंदना सिंह, प्रतिभा, उषा सिंह, बबली कोर, रीना यादव, राखी कौशिक, हंस कुमार, अमित कुमार, सुभाष चंद्र, राजेश कुमार आदि उपस्थित रहे। इस दौरान विजय त्यागी, गौरव चौधरी, प्रशांत शर्मा, संजीव ठाकुर, मनोज शर्मा, सुनील कुमार, अमर सिंह, ललित कुमार आदि भी उपस्थित रहे।

अतिरिक्त दहेज में कार न देने पर महिला को घर से निकाला

बुढ़ाना, 20 अगस्त (बु.)। अतिरिक्त दहेज में कार नहीं मिलने पर एक महिला को दहेज लोभी ससुरालियों ने मारपीट कर घर से निकाल दिया। इस मामले में महिला थानाध्यक्ष सुमन शर्मा से भाकियूअ कार्यकर्ता मिले और रिपोर्ट दर्ज किए जाने की मांग की। बुढ़ाना कस्बे के मौहल्ला मंडी निवासी एक महिला ने भाकियूअ नेताओं को बताया कि उसकी शादी करीब 6 वर्ष पूर्व आस मौहम्मद पुत्र हनीफ निवासी बाजार वाली गली खेड़ा जिला बागपत के साथ हुई थी। उसका पति, सास वरिशा, ससुर हनीफ, देवर गुफरान व देवरानी नाजमा जो लालची किस्म के हैं तथा शादी के बाद से ही उससे दहेज में कार की मांग करते चले आ रहे हैं। मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट व गाली-गलौच करते हैं। उसका पति उसके साथ अप्राकृतिक कार्य करता है। देवर गुफरान उस पर बुरी नजर रखता है। कई बार उसने उसके साथ छेड़छाड़ की और रेप करने की नीयत से गंदी हरकतें की। उसने शोर मचाया तो उसके ससुराल के सब लोग आ गये और उसके साथ मारपीट करके कार की मांग दोहराई और घर से निकाल दिया। आरोपियों ने उसकी पसली और बायां हाथ तोड़ दिया।

पीड़िता भाकियूअ के तहसील अध्यक्ष अमित सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष प्रवीण पंवार, ब्लॉक सचिव नावेज राणा और तहसील उपाध्यक्ष रणवीर बालियान के साथ थानाध्यक्ष से मिली और उन्हें अपना दुखड़ा सुनाया। थानाध्यक्ष ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध जांच शुरू कर दी है।

एसएसपी-सेना कर्नल ने किया भर्ती रैली तैयारियों का निरीक्षण

- अधीनस्थों को दिए जरुरी निर्देश, सुरक्षा पर विशेष बल - 22 अगस्त को होगी भर्ती की दौड़ प्रक्रिया प्रारंभ

मुजफ्फरनगर, 20 अगस्त (बु.)। चौधरी चरण सिंह स्पोर्टस स्टेडियम और नुमाइश ग्राउंड में आगामी 22 अगस्त से होने वाली अग्निवीर भर्ती रैली को निर्विघ्न संपन्न कराने को लेकर जनपद का पुलिस व प्रशासनिक अमला पूरी तरह अलर्ट मोड़ पर दिखाई दे रहा है। जनपद मुख्यालय पर 22 अगस्त से आठ सितंबर तक होने वाली भर्ती रैली की तैयारियों को लेकर बुधवार को एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने मेरठ आर्मी रिक्रूटमेंट टीम के इंचार्ज कर्नल सत्यजीत बेबले के साथ तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। साथ ही सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर चर्चा करते हुए अधीनस्थों को जरुरी दिशा निर्देश दिए। आगामी 14 दिनों तक चलने वाली इस भर्ती रैली में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर समेत 13 जिलों के करीब 17 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। रोजाना एक हजार युवा दौड़ेंगे। इस दौरान आर्मी की इंटेलीजेंस के साथ स्थानीय पुलिस की दलालों व नशा करके दौड़ में पहुंचने वालों पर पैनी नजर रहेगी। साथ ही फर्जी कागजातों के साथ भर्ती रैली में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को पुलिस को सौंपा जाएगा। अग्निवीर भर्ती रैली में पहले दिन गौतमबुद्धनगर और शामली जनपद के अभ्यर्थी दौड़ के माध्यम से दमखम दिखाएंगे। बुधवार को अग्निवीर सेना भर्ती की तैयारियों की समीक्षा के दौरान एसएसपी संजय कुमार वर्मा एवं कर्नल सत्यजीत बेबले ने नुमाईश ग्राउंड व चौ. चरण सिंह स्टेडियम स्थित भर्ती स्थल का निरीक्षण करते हुए यहां की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा भर्ती हेतु की गयी तैयारियों की समीक्षा कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान एसपी अपराध इन्दु सिद्धार्थ, सीओ नगर सिद्धार्थ के. मिश्रा, क्षेत्राधिकारी (प्रशिक्षु) मनोज कुमार, थाना प्रभारी सिविल लाईन आशुतोष कुमार सहित सेना व पुलिस के अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रेसवार्ता में गलत कार्यवाही पर भड़के पूर्व प्रमुख विनोद....

- कहा: जो वीडियो में हैं पुलिस उन्हें ही जेल भेजे

बुढ़ाना, 20 अगस्त (बु.)। ब्लॉक बुढ़ाना क्षेत्र के पूर्व प्रमुख और रालोद के कद्दावर नेता विनोद मलिक ने प्रेस वार्ता करते हुए मृतक मोनू खटीक के मामले में साफ शब्दों में पुलिस को चेतावनी देते हुए कहा कि घटना के समय की, जो वीडियो वायरल हुई है और उसमें जो दिखाई पड़ रहे हैं, पुलिस उन्हें ही जेल भेजे। अन्य लोगों को अगर राजनेताओं के दबाव में परेशान किया गया, तो वे जनता को लेकर सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे। पूर्व प्रमुख श्री मलिक ने यह बात उस समय कहीं, जब उनको पता लगा कि बुढ़ाना पुलिस मोनू खटीक के मामले में सत्ता के दबाव में आकर उन लोगों के घरों में भी तोड़फोड़ कर रही है, जो इस केस में दूर-दूर तक भी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें भी मोनू की मौत का दुख है। हम इस घटना की कड़ी निन्दा करते हैं, लेकिन इसमें किसी को भी अपनी रंजिश निकालकर किसी बेकसूर का नाम भी नहीं लिखवाना चाहिए। हत्या का झूठा मुकदमा एक परिवार को सारी उम्र के लिए बर्बाद कर देता है। पुलिस को भी संयम से काम लेकर सिर्फ और सिर्फ उनको ही जेल भेजने का काम करना चाहिए, जो वीडियो में साफ दिख रहे हैं। मुझे नहीं लग रहा कि कुछ निष्पक्ष चल रहा है। हमारी भी कुछ जिम्मेदारी बनती है कि हम केस को सही खोलें। उन्होंने पुलिस को तीन दिन का समय देते हुए कहा कि पुलिस सही हत्यारों को ही जेल भेजे। अगर किसी निर्दोष के घर पर किसी भी तरह की दबिश दी, तो वे जनता को लेकर सड़कों पर उतरेंगे और फिर जगह नहीं मिलेगी। वार्ता में गांव बिटावदा के पूर्व प्रधान सत्यपाल सहरावत, रालोद नेता सुरेंद्र सहरावत, बुढ़ाना नगर पंचायत के सभासद नियम पंवार, युवा रालोद नेता संयम पंवार, सभासद नितिन शर्मा और दीपक प्रजापति आदि लोग मौजूद थे।

पालिका में हड़कंप, हाईकोर्ट पहुंची ईओ-टीएओ की लड़ाई

मुख्यालय संबद्ध के खिलाफ कोर्ट में रिट दायर, मांगा जवाब ▶▶ हाईकोर्ट ने ईओ को पेश होने को जारी किया नोटिस

मुजफ्फरनगर, 20 अगस्त (बु.)। नगरपालिका को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की दिशा में शुरू हुई कवायदों के बीच नगरपालिका परिषद् में एलईडी स्ट्रीट लाइट मामले में ठेकेदार फर्म को दर्ज याचिका पर फर्म का टैंडर निरस्त करने और ब्लैकलिस्ट करने को लेकर अब हाईकोर्ट के आदेश की गरमाहट के बीच हाईकोर्ट द्वारा एक दूसरे आदेश ने हड़कंप मचा दिया है। मामले में पालिका के कर निर्धारण अधिकारी द्वारा शासन स्तर से उनके खिलाफ की कार्यवाही को नियमों के विपरीत बताते हुए रिट दायर की, जिसमें हाईकोर्ट ने शासन के अफसरों

के साथ पालिका की अधिशासी अधिकारी से भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

नगरपालिका परिषद् के कर निर्धारण अधिकारी दिनेश कुमार यादव और अधिशासी अधिकारी डॉ. प्रज्ञा सिंह के बीच विभागीय कामकाज को लेकर पूर्व में लंबी खींचतान हाईकोर्ट तक पहुंच गई है। ईओ डॉ. प्रज्ञा सिंह ने टीएओ दिनेश यादव पर उनके आदेशों की अवहेलना करने सहित अन्य गंभीर आरोप लगाते हुए शासन को शिकायत की थी, जिसके बाद शासन द्वारा कार्यवाही करते हुए टीएओ दिनेश कुमार यादव को पालिका से हटा दिया गया। शासन द्वारा 14 मई को आदेश पारित करते हुए स्थानीय निकाय निदेशालय लखनऊ में उन्हें शासन ने अटैच कर दिया, जहां उन्होंने ज्वाइन भी कर लिया था।

बताया गया है कि इस आदेश के खिलाफ टीएओ जुलाई माह में इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचे और रिट दायर की। उन्होंने शासन के संबद्ध आदेश को चुनौती देते हुए तर्क दिया कि सेवा नियमावली में किसी अधिकारी को अटैच करने का कोई नियम नहीं है, या तो तबादला किया जाये या फिर निलंबन किया जा सकता है। वाद में उनकी ओर से अधिवक्ता संदीप ओझा, हरी प्रसाद गुप्ता, दिलीप वर्मा और मनीषा सिंह ने बहस की। शासन द्वारा सीएससी पेश हुए और शासन का पक्ष प्राप्त करने के लिए समय मांगा, लेकिन समयावधि के बाद भी शासन से जवाब हाईकोर्ट में दाखिल नहीं हुआ तो अब हाईकोर्ट ने मामले में प्रतिवादी संख्या 3 और 4 को नोटिस जारी करते हुए जवाब के साथ कोर्ट में 01 सितम्बर से शुरू हो रहे सप्ताह में यानि 1 से 5 सितम्बर के बीच पेश होने के लिए आदेशित किया है।

इन्होंने कहा-

पालिका ईओ डॉ. प्रज्ञा सिंह ने बताया कि उनको हाईकोर्ट में याचिका दायर होने या कोर्ट द्वारा उन्हें अभी जवाब दाखिल करने के लिए समन की कोई जानकारी या कोर्ट का आदेश नहीं मिला है।

उन्होंने शासन से जो शिकायत की थी, उसके आधार पर शासन स्तर से टीएओ दिनेश यादव को उनके गलत व्यवहार, नकारात्मक कार्यप्रणाली और आचरण के कारण ही दोषी मानकर यहां से हटाया है। अगर उनको कोर्ट से कोई ऐसा नोटिस मिलता है तो वो इस संबंध में अपना जवाब लेकर कोर्ट में पेश जरूर होंगी।

भूकंप के झटकों से डोली धरती, भारत से लेकर पाकिस्तान तक महसूस किए गए झटके

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसी)। भूकंप की वजह से अभी तक कई देशों में तबाही मच चुकी है। हर महीने विश्व के किसी न किसी देश में भूकंप आता रहता है। भारत में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। एनसीएस की रिपोर्ट के मुताबिक हिमाचल

प्रदेश के चंबा में बुधवार (20 अगस्त) सुबह 4.0 की तीव्रता का भूकंप आया, वहीं इससे पहले 3.3 की तीव्रता का भूकंप आया था। अहम बात यह भी है कि पाकिस्तान में भी भूकंप आया है। जानकारी के मुताबिक हिमाचल के चंबा में बुधवार सुबह करीब 3.27 बजे पहला झटका महसूस हुआ। इसकी तीव्रता 3.3 दर्ज की गई, वहीं इसके बाद सुबह 4.39 बजे 4.0 की तीव्रता का भूकंप आया। इसकी गहराई 10 किलोमीटर थी। इससे पहले हिमाचल के कांगड़ा में भी भूकंप आया था। भारत के साथ-साथ पाकिस्तान भी भूकंप की चपेट में आ गया। जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान में बुधवार सुबह 2.38 बजे 3.7 की तीव्रता का भूकंप आया। हालांकि इसकी वजह से किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं मिली है। पाकिस्तान में अभी तक कई बार भूकंप आ चुका है।

दिल्ली के दरियागंज में इमारत गिरी, तीन लोगों की मौत, कई घायल

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसी)। दिल्ली के दरियागंज इलाके में बुधवार को एक इमारत गिरने का मामला सामने आया है। इस हादसे में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, यह घटना सद्भावना पार्क के पास घटी है। हादसे में मृतकों की पहचान जुबैर, गुलसागर और तौफीक के रूप में हुई है, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) सहित नगर निगम के अधिकारियों को तुरंत सूचित किया गया और बचाव दल मौके पर पहुँच गए। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि घटना की जानकारी दोपहर 12.14 बजे मिली, जिसके बाद चार दमकल गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया, जहाँ एक भूतल और दो मंज़िला इमारत ढह गई थी। उन्होंने कहा, "तीन लोगों को मलबे से निकाला गया और तुरंत अस्पताल ले जाया गया। ढही हुई इमारत के मलबे में फंसे और लोगों को बाहर निकालने के लिए अभियान जारी है। बता दें कि बरसात के मौसम में दिल्ली एनसीआर में छज्जा गिरने से कई लोगों की मौत की घटनाएं सामने आ चुकी है। बीते तीन महीना में करीब चार घटनाएं छज्जा गिरने की दिल्ली एनसीआर में सामने आई हैं।

ट्रक-पिकअप की भिड़ंत... यूपी के पांच लोगों की मौत... 33 घायल

बहादुरगढ़, 20 अगस्त (एजेंसी)। कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे पर देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें पांच मजदूरों की मौत हो गई और 33 अन्य घायल हो गए। मृतकों में महिला और बच्चे भी शामिल हैं। लखीमपुर खीरी के अमन नगर से आए प्रवासी मजदूर फसल कटाई के लिए हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के घोड़ाकैमला गांव जा रहे थे। दरअसल, केएमपी एक्सप्रेस वे पर बहादुरगढ़ के निलौठी गांव के पास मंगलवार रात भीषण हादसा हो गया। ट्रक व पिकअप की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 33 घायल हैं। इनमें चार महिलाएं और दो बच्चियां भी हैं। अधिकतर घायलों को रोहतक रेफर किया गया है। सभी लोग उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी क्षेत्र के बताए जा रहे हैं और महेंद्रगढ़ जा रहे थे। मृतकों की पहचान की जा रही है। केएमपी से कटरा एक्सप्रेस वे के इंटरचेंज के पास यह घटना हुई। ट्रक और पिकअप दोनों मानेसर की तरफ जा रहे थे। टक्कर लगते ही पिकअप में सवार लोग सड़क पर जा गिरे। वहीं, केएमपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। अस्पताल पहुंचने से पहले चार लोगों की मौत हो गई। पांचवें ने बुधवार सुबह रोहतक पीजीआई में दम तोड़ दिया। सभी मजदूर एक पिकअप में सवार थे, जिसमें करीब 37 लोग बैठे थे। रात करीब 1:30 बजे केएमपी एक्सप्रेसवे पर बादली के पास एक तेज रफ्तार कंटेनर ने पिकअप गाड़ी को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप गाड़ी पलट गई, जिससे कई मजदूर सड़क पर बिखर गए।

कार की टक्कर से दो भाइयों की हुई मौत

श्रावस्ती, 20 अगस्त (एजेंसी)। प्रदेश के श्रावस्ती जनपद निवासी दो युवकों की सड़क हादसा में मौत हो गई। एक अज्ञात कार्य उनको टक्कर मार दी, जिसमें गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर ही उनकी मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल का इलाज किया जा रहा है। पूरा मामला प्रयागपुर थाना क्षेत्र का है, जहां पर भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। हादसा दोपहर करीब 1:30 बजे के आसपास बनकटा गांव के सामने हुआ। तेज रफ्तार कार ने पहले एक पल्सर बाइक सवार को टक्कर मारी, जिससे दोनों भाइयों के मौके पर मौत हो गई और भाग रहे कार सवार ने एक बुलेट सवार को भी चपेट में ले लिया, जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। दोनों बाइक सवार प्रयागपुर से श्रावस्ती की ओर जा रहे थे, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार कार ने सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पल्सर बाइक सवार दोनों युवकों की मौके पर मौत हो गई। इस हादसे के बाद भागने के प्रयास में कार चालक ने दूसरी बाइक बुलेट को भी टक्कर मार दी। मृतक युवकों की पहचान श्रावस्ती जिले के थाना सोनवा नेवरिया निवासी श्रीकांत तिवारी और धर्मेंद्र तिवारी के रूप में हुई है। श्रीकांत दिल्ली में रहकर पूजा पाठ का काम करते थे और धर्मेंद्र घर रहकर खेती करते थे। बुलेट बाइक सवार नारायणपुर के अतहा मोहम्मद और आस मोहम्मद 62 वर्ष दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रयागपुर में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

एक भक्त ऐसा भी! तिरुपति मंदिर में चढ़ाया 121 किलो सोना, कीमत 140 करोड़ रुपए

तिरुपति, 20 अगस्त (एजेंसी)। तिरुमाला तिरुपति मंदिर को एक भक्त ने 140 करोड़ रुपए का 121 किलो सोना दान किया है। तिरुपति मंदिर में दर्शन करने आए भक्त अपनी श्रद्धा अनुसार धन दान दे रहे हैं। अंबानी जैसे बड़े व्यवसायी सोना और हीरे के आभूषण दान कर रहे हैं। ऐसे में सबको चौंकाते हुए एक भक्त ने 121 किलो सोना दान किया है, जिसकी कीमत 140 करोड़ रुपए बताई जा रही है। वहीं इस जानकारी को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने सोशल मीडिया पर साझा किया। आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के मंगलागिरी में गरीबी उन्मूलन परियोजना से संबंधित एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें सीएम नायडू भी शामिल हुए थे। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने इस कार्यक्रम में शिरकत की और भाषण दिया। उन्होंने कहा कि एक भक्त ने तिरुपति से अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रार्थना की। उन्होंने व्यवसाय शुरू किया और उसमें सफलता पाई। उन्होंने अपनी कंपनी के शेयर बेचकर 6,000 से 7,000 करोड़ रुपए का मुनाफा भी कमाया। विश्व प्रसिद्ध तिरुपति मंदिर आंध्र प्रदेश राज्य में स्थित है। इस मंदिर में गरीब से लेकर दुनिया भर के व्यापारी रोजाना आते हैं। हजारों भक्त रोजाना मंदिर इस उम्मीद में आते हैं कि तिरुपति जाने पर उन्हें आशीर्वाद मिलेगा। भक्त दर्शन के लिए घंटों इंतजार करते है। आंध्र प्रदेश राज्य सरकार और तिरुपति देवस्थानम मिलकर भक्तों को आवश्यक परिवहन सुविधाओं से लेकर बुनियादी सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। श्री वेंकटेश्वर स्वामी ने उन्हें वह धन दिया था। भक्त ने मंदिर को 121 किलो सोना दान किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में मंदिर की मूर्ति को प्रतिदिन 120 किलो सोने के आभूषणों से सजाया जा रहा है। यह जानकर, भक्त ने कहा है कि वह 140 करोड़ रुपए की कीमत का 121 किलो सोना दान करेंगे। इससे पहले, मई 2025 में उद्योगपति संजीव गोयनका ने 3.63 करोड़ रुपए की कीमत का हीरा जड़ित सोने का हार दान किया था। जुलाई 2025 में चेन्नई स्थित सुदर्शन एंटरप्राइजेज ने 2.4 करोड़ रुपए की कीमत का 2.5 किलो सोना दान किया था। वहीं सेवानिवृत्त आईआरएस अधिकारी वाईवीएसएस भास्कर राव ने जनवरी 2025 में मंदिर ट्रस्ट को 3.66 करोड़ रुपए की संपत्ति सौंपी थी।

नगर बनेगा स्मार्ट सिटी, मंत्री कपिल देव ने की मुख्यमंत्री से विशेष भेंट

मोनू हत्याकांड व बैराज पुल निर्माण के मुद्दे को भी उठाया

मुजफ्फरनगर, 20 अगस्त (बु.)। सदर विधायक व सरकार में कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा विभाग राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट करते हुए क्षेत्र से जुड़े 3 महत्वपूर्ण विषयों पर इस बीच विस्तृत चर्चा की। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना हमारा कर्तव्य है। वर्तमान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध और संवेदनशील है। बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर मिले मंत्री कपिल देव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुजफ्फरनगर नगरपालिका क्षेत्र के लिए एक समग्र एवं इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट प्लान तैयार कराए जाने का अनुरोध किया, जिससे शहर को स्मार्ट सिटी की तर्ज पर अब आधुनिक सुविधाओं से युक्त, सुव्यवस्थित व जनसुविधा केंद्रित बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने इस प्रस्ताव पर मंत्री को सकारात्मक रूख दिखाते हुए जल्द आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाने का आश्वासन दिया। वहीं मंत्री कपिल देव ने बुढ़ाना में हाल में हुए मोनू खटीक हत्याकांड पर मुख्यमंत्री को वस्तु-स्थिति से अवगत

कराते हुए पीड़ित परिवार को न्याय व आर्थिक सहायता की मांग रखी। इस घटना पर मुख्यमंत्री ने संवेदना प्रकट करते हुए कठोर कार्रवाई व हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। इसके अलावा मंत्री कपिल देव ने कुछ दिनों से बंद पड़े गंगा बैराज पुल के कारण क्षेत्र के लोगों को हो रही असुविधा पर मुख्यमंत्री से चर्चा की और जल्द समाधान की मांग की। मुख्यमंत्री ने इन मामलों को गंभीरता से संज्ञान लेते हुए शीघ्र कार्रवाई के निर्देश देने का भरोसा दिलाया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर जनसुनवाई के दौरान हुआ हमला

नयी दिल्ली, 20अगस्त (वार्ता) दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार को जनसुनवाई के दौरान एक शख्स ने हमला कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना के समय मुख्यमंत्री गुप्ता आम लोगों की शिकायतें सुन रहीं थीं। एक शख्स भी अपनी शिकायत लेकर वहां पहुंचा और उसने श्रीमती गुप्ता पर

हमला कर दिया। उसके इस हमले की वजह का फिलहाल पता नहीं चला है। पुलिस हमलावर शख्स को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा ''दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुआ हमला बेहद निंदनीय है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध की जगह होती है, लेकिन हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है।'' उन्होंने कहा ''उम्मीद है कि दिल्ली पुलिस, दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगी। आशा है मुख्यमंत्री पूरी तरह सुरक्षित हैं।''

गांधी नगर के भ्रष्टाचार की इंटरलॉक टाइल्स पर कर दी गई रेत सीमेंट की लीपा-पोती

मुजफ्फरनगर, 20 अगस्त (बु.)। हाल ही में आम नागरिकों द्वारा गांधी नगर में बन रही दोनों साईड की इंटरलॉकिंग का खुद खुलासा किया गया। खुलासे के बाद बुलेटिन ने आम नागरिकों की शिकायत को अपने सोशल मीडिया और समाचार पत्र के माध्यम से भी प्रकाशित किया है। बावजूद उसके सब गोल-मोल हो गया और उक्त मामले में संभवतः भ्रष्टाचार करने वाले को किसी नेता का संरक्षण प्राप्त हुआ और नागरिकों के गले घोटते हुए उनकी आवाज भी बंद कर दी गई। बंद करने का फॉर्मूला यह रहा कि गांधीनगर के उक्त नागरिक अधिकांश भाजपाई हैं, ऐसे में उनकी आवाज कैसे बंद करनी है, यह नेता बेहतर तरीके से जानते है। उन्हें पार्टी का हवाला देकर, सज्जनता का हवाला देकर, किसी ना किसी तरह से खामोश करा ही लिया जाता है। कुल मिलाकर खामोश हुए नागरिक फिलहाल पछताएं ना पछताएं, दो चार बारिशों के बाद ही जब ये इंटरलॉक टाइलें तैरती हुई बाहर आ जाएंगी और सड़कों के बीच विकास तैरता दिखाई देगा, तब फिर एक बार आम नागरिकों का रोना फिर शुरू हो जाएगा, मगर उस समय ना नेता कुछ कर पाएंगे और ना ही कोई अधिकारी। ऐसे में यह तस्वीर तो साफ है कि यह शहर राम भरोसे ही चलता रहेगा और राम नाम लेने वाले नेताओं के बहकावे में आकर खुद विकास को पलीता लगवाते रहेंगे।

भ्रष्टाचार की खुली एक ओर पोल

पांच दिन से लापता युवक का नहीं कोई अता-पता, पुलिस ने खंगाले सीसीटीवी

मुजफ्फरनगर, 20 अगस्त (बु.)। शहर के थाना सिविल लाइन क्षेत्र के अंतर्गत साकेत चौकी से एक युवक के लापता होने का मामला सामने आया है, जिसे 5 दिन बीत चुके हैं, लेकिन पुलिस को अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिला है। लापता युवक का नाम शिवम है, जो फास्टफूड की रेहड़ी लगाता था। पुलिस और परिजन दोनों उसकी तलाश में जुटे हैं, लेकिन अब तक कोई सफलता नहीं मिल पाई है।

मिली जानकारी के अनुसार, शिवम साकेत कॉलोनी में अपने परिवार के साथ रहता है और पिछले कई वर्षों से फास्टफूड की रेहड़ी चलाकर अपनी आजीविका चला रहा था। 15 अगस्त की सुबह वह रोज की तरह घर से बाइक से निकला था, लेकिन उसके बाद से उसका कुछ पता नहीं चल सका। पुलिस द्वारा मामले की जानकारी जुटाई गई, तो शिवम का पड़ोस की ही एक युवती के साथ प्रेम-प्रसंग होना बताया गया, जिसके बाद से पुलिस ने अपनी प्रारंभिक जांच में युवती व उसके परिजनों से पूछताछ शुरू कर दी है। परिजनों की मानें तो युवती द्वारा शिवम को फोन कर अपने मामा के गांव ढिंढावली बुलाया था, जिसमें गांव के एक सीसीटीवी में शिवम बाइक से गांव में उसके मामा के घर जाते हुए नजर भी आया, लेकिन गांव से वापस आते हुए किसी भी सीसीटीवी में नजर नहीं आया।

परिजनों द्वारा 15 अगस्त को साकेत चौकी में शिवम की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। चौकी प्रभारी रेशम पाल सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी मिलने के बाद से ही पुलिस लगातार शिवम की तलाश कर रही है। उसके मोबाइल की आखिरी लोकेशन भी गांव में ट्रेस की गई थी, लेकिन वह भी अब बंद आ रहा है। पुलिस ने शहर के प्रमुख स्थानों, गांव में लगे सीसीटीवी फुटेज और उसके संभावित ठिकानों की जांच की है, लेकिन अब तक कोई ठोस जानकारी हाथ नहीं लगी है। शक के घेरे में लड़की और उसके परिजनों से पूछताछ के साथ सभी तथ्यों पर जांच जारी है। फिलहाल शिवम के परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। उसके भाई रवि कुमार ने लड़की व उसके परिजनों के खिलाफ लिखित तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कर सख़्त कार्रवाई की मांग करने के साथ लापता भाई को बरामद करने की मांग की है।

गंभीर अपराध में तीस दिन जेल में रहने पर जाएगा मंत्री पद

नयी दिल्ली, 20 अगस्त (वार्ता) लोकसभा में संविधान का 130वां संशोधन विधेयक पेश किया गया जिसके तहत अगर कोई मंत्री लगातार 30 दिन तक गंभीर अपराध (पांच वर्ष या उससे अधिक की सजा वाले अपराध) के आरोप में जेल में रहा तो उसे पद से बर्खास्त किया जा सकेगा। विपक्ष के भारी हंगामे के बीच केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोक सभा में आज 130वां संविधान संशोधन विधेयक पेश कर उसे संयुक्त संसदीय समिति को भेजने का प्रस्ताव पारित किया। संविधान के अनुच्छेद 75 में प्रधानमंत्री और उनकी मंत्रिमंडल के गठन के बारे में प्रावधान किया गया है। अब नए संशोधन के मुताबिक, अगर कोई मंत्री लगातार 30 दिन तक गंभीर अपराध (पांच वर्ष या उससे अधिक की सजा वाले अपराध) के आरोप में जेल में बंद रहा है तो राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री की सलाह पर उसे पद से बर्खास्त किया जा सकेगा। यदि प्रधानमंत्री सलाह नहीं देते तो 31वें दिन के बाद वह मंत्री अपने आप पद से हटा हुआ मान लिया जाएगा। अगर प्रधानमंत्री खुद कार्यकाल के दौरान 30 दिन लगातार ऐसे आरोप में जेल में रहे हैं, तो उन्हें 31वें दिन तक इस्तीफा देना होगा। यदि इस्तीफा नहीं दिया, तो उनका पद खुद ही समाप्त मान लिया जाएगा। संविधान का अनुच्छेद 164 राज्यों के मुख्यमंत्रियों और मंत्रिमंडल से संबंधित है। नए संशोधन के तहत अब अगर किसी राज्य का मंत्री 30 दिन तक जेल में है या हिरासत में है तो राज्यपाल, मुख्यमंत्री की सलाह पर उसे पद से हटा देंगे।

यदि सलाह नहीं दी जाती तो 31वें दिन से मंत्री का पद अपने आप समाप्त हो जाएगा। अगर मुख्यमंत्री खुद 30 दिन तक जेल में रहते हैं, तो उन्हें 31वें दिन तक इस्तीफा देना होगा, अन्यथा उनका पद स्वतः समाप्त हो जाएगा। इस विधेयक के उद्देश्य में कहा गया है कि निर्वाचित प्रतिनिधि भारत के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। अपेक्षा की जाती है कि वे राजनीतिक हितों से उपर उठकर केवल लोकहित में और लोगों के कल्याण के लिए कार्य करें। यह अपेक्षा की जाती है कि पद धारण करने वाले मंत्रियों का चरित्र और आचरण संदेह के किसी अंश से भी परे होना चाहिए। कोई भी मंत्री जो गंभीर दंडिक अपराधों के आरोप का सामना कर रहा है या फिर उसे गिरफ्तार किया जाता है और अभिरक्षा के निरुद्ध किया जाता है तो वह संवैधानिक नैतिकता के मापदंडों तथा सुशासन के सिद्धांतों का निष्फल कर सकता है या उनमें बाधा डाल सकता है और अंततः लोगों द्वारा उसमें किए गये संवैधानिक विश्वास को कम कर सकता है। ऐसे मंत्री के हटाने के लिए संविधान के अधीन कोई उपबंध नहीं है जो गंभीर दांडिक आरोपों के कारण गिरफ्तार किया जाता और अभिरक्षा में निरुद्ध किया जाता है। इस विधेयक से गंभीर दांडिक आरोपों के कारण गिरफ्तार मंत्री को हटाया जा सकता है।

रामपुर तिराहा कांड: न्यायालय में पेश हुए सीबीआई के पैरोकार फूल सिंह

मुजफ्फरनगर, 20 अगस्त (बु.)। 1 अक्टूबर 1994 की रात पृथक राज्य की मांग को लेकर दिल्ली जा रहे उत्तराखण्ड के आन्दोलनकारियों को रामपुर तिराहे पर रोककर उन पर फायरिंग, महिलाओं से बदसलूकी, छेड़छाड़ व दुष्कर्म तक के मामले सामने आए थे। इस मामले में पुलिस की गोली लगने से सात लोगों की मौत हो गयी थी। उक्त मामले में 29 वर्षों से लगातार सुनवाई चली आ रही है। बुधवार को उत्तराखण्ड संघर्ष समिति के वरिष्ठ अधिवक्ता अनुराग वर्मा, रिंकू वर्मा, रजनीश चौहान ने बताया कि उक्त प्रकरण से जुड़े तीन मामले न्यायालय में विचाराधीन हैं। बुधवार को हथियारों की फर्जी बरामदगी से जुड़े ब्रजकिशोर प्रकरण में सुनवाई हुई। न्यायालय में सीबीआई के पैरोकार फूल सिंह पेश हुए। न्यायालय ने अगली सुनवाई के लिए 27 अगस्त की तिथि नियत की है। वहीं, शव बहाने के जुड़े एसपी मिश्रा प्रकरण में भी सुनवाई के लिए 27 अगस्त की तिथि लगी है।

सम्मोहित करके महिला से सोने के कुंडल लूटे

बुढ़ाना, 20 अगस्त (बु.)। एक महिला को सम्मोहित कर एक अज्ञात युवक ने उसके दोनों कानों के सोने के कुंडल लूट लिए। घटना सुबह के समय हुई, तो पुलिस में हड़कंप मच गया। बुढ़ाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आसपास के दुकानदारों और पीड़ित महिला से घटना की जानकारी कर आरोपी की तलाश में आसपास में लगे हुए सीसीटीवी कैमरे खंगालकर कार्यवाही शुरू कर दी थी। मिली जानकारी के अनुसार बुढाना कस्बे के बड़ौत रोड पर आज बुधवार की सुबह के समय हुई इस घटना में एक महिला से किसी एक अज्ञात युवक ने किसी आश्रम का रास्ता पूछा, तो उसने इसी बहाने उसको सम्मोहित कर उसके दोनों कानों के दोनों सोने के कुंडल उतरवा लिए और फरार हो गया। युवक के फरार होने के कुछ ही देर बाद महिला का सम्मोहन समाप्त हुआ, तो महिला ने दोनों कानों में सोने के कुंडल ना देख शोर मचा दिया। महिला का शोर-शराबा सुनकर आते-जाते राहगीर ठिठक गये और कुछ स्थानीय दुकानदार भी मौके पर आ गये। महिला ने सभी को घटना की

जानकारी दी तो मौके पर भीड़ जमा हो गयी। घटना की सूचना पर बुढ़ाना कस्बा इंचार्ज संदीप कुमार पुलिसबल लेकर मौके पर पहुंचे और महिला से घटना की जानकारी की। तब बुढ़ाना पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले और अज्ञात लुटेरे की तलाश शुरू कर दी। इस घटना से अन्य राह चलती महिलाओं में भय बन गया है।

तेज रफ्तार डंपर ने मोपेड में टक्कर मारी, मामा व भांजी की दर्दनाक मौत

कानपुर, 20 अगस्त (एजेंसी)। मूसा नगर रोड पर जनता इंटर कॉलेज के सामने बुधवार को तेज रफ्तार डंपर ने मोपेड में टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में मोपेड चला रहा मामा व पीछे नाना की गोद में बैठी तीन साल की भांजी की मौत हो गई। नाना गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को सीएचसी में भर्ती कराया गया। वहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद कानपुर के उर्सला अस्पताल रेफर कर दिया। फतेहपुर के बकेवर थाना क्षेत्र के गोपालपुर निवासी चंद्रपाल (60) घाटमपुर के रेवना थाना क्षेत्र के मछैला गांव में ब्याही बेटी गुड्डन पत्नी सियाराम के घर आए थे। बुधवार को वह जहांगीराबाद में ब्याही नातिन सोनम देवी पत्नी संदीप के घर नाती अरुण (13) पुत्र सियाराम के साथ गए थे। वहां से अरुण अपने नाना व तीन साल की भांजी प्रज्ञा को मोपेड से लेकर मछैला गांव लौट रहा था। मूसा नगर रोड पर जनता इंटर कॉलेज के सामने पहुंचते ही तेज रफ्तार डंपर ने मोपेड में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मामा अरुण और भांजी प्रज्ञा की सड़क पर गिरने से डंपर से कुचलकर मौके पर मौत हो गई। नाना गंभीर रूप से घायल हो गए। चालक डंपर छोड़कर भाग गया। कस्बा चौकी प्रभारी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

शेष : मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा ...

उसका पर्स व मोबाइल छीन लिया और फरार हो गए। इस मामले में पुलिस ने आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। मंगलवार की रात लगभग साढ़े दस बजे चेकिंग के दौरान आरोपितों मोहित कुमार और चंदन निवासीगण ग्राम भुवापुर थाना ककरौली को गिरफ्तार कर लिया। एसपी देहात ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपितों ने स्वीकार किया कि लूटा हुआ सारा सामान छिपाया हुआ है, जिसे वह बरामद करा देंगे। पुलिस अपनी टीम के साथ दोनों आरोपियों के साथ गयी और आश्रम चौराहा मंदिर के पीछे वाले खेत से सारा सामान बरामद कर लिया। बतया जाता है कि इसी दौरान मोहित ने सामान के साथ रखे तमंचे से पुलिस पर फायरिंग की और भागने का प्रयास किया। जवाबी फायरिंग में पुलिस ने मोहित के पैर में गोली मार दी, जिससे वह घायल हो गया। घायल मोहित ने बताया कि वह स्वयं ई-रिक्शा चलाने का काम करता है, जबकि चंदन दिहाड़ी मजदूर है। दोनों आपस में दोस्त हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से दो मोबाइल, दो आधार कार्ड, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड, 3500 रुपये नकद व एक तमंचा बरामद किया है। मोहित के खिलाफ गाजियाबाद में पॉक्सो एक्ट व ककरौली थाना में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

यूपी के इन चार बड़े एक्सप्रेसवे पर नहीं चलेगा फास्टैग एनुएल पास

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसी)। यूपी में अब चार प्रमुख एक्सप्रेसवे बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, यमुना एक्सप्रेसवे, आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर अब यह फास्ट टैग एनुअल पास नहीं चलेगा। यह फैसला एक बैठक में ली गई है। अब उत्तर प्रदेश वासियों के लिए महत्वपूर्ण खबर सामने आ रही है, जिसमें अब 15 अगस्त से पूरे देश में फास्टैग एनुअल पास लागू किया जा चुका है। अब इस दौरान अपनी गाड़ी के लिए फास्टैग एनुअल पास एक्टिव करने के लिए करीब-करीब रूपये 3000 का एक मुफ्त भुगतान करना अनिवार्य है, जिसमें इसकी कीमत रूपये 3000 तय किया गया है। रूपये 3000 का फास्टैग एनुअल पास 1 साल और 200 ट्रिप के लिए वैलिड होगा। अब यह पास सिर्फ नॉन कमर्शियल वाहनों जैसे प्राइवेट कार जीप तथा वैन के लिए मान्य है। अब 15 अगस्त यानी फास्टैग एनुअल पास लागू के पहले ही दिन शाम में 4:30 तक, करीब करीब 1.2 लाख यूजरनेम फास्टैग एनुअल पास खरीद तथा करीब करीब 1.24 लाख ट्रांजैक्शन दर्ज किया जा चुका है अब एनुअल पास उत्तर प्रदेश के चार प्रमुख एक्सप्रेसवे पर नहीं चल पाएगा। अब प्रदेश के करीब करीब चार प्रमुख एक्सप्रेसवे आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे, यमुना एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर यहां फास्टैग एनुअल पास नहीं चलेगा अब यहां लागू नहीं होगा। अब इन सभी चारों एक्सप्रेसवे पर आपके सामान्य फास्टैग खाते से ही टोल का पैसा कटेगा। अब इस कड़ी में उत्तर प्रदेश के यह चारों एक्सप्रेस में राज्य सरकार के अधीन आने वाले स्टेट हाईवे हैं जिसमें फास्टैग एनुअल पास सिर्फ केंद्र सरकार के अधीन आने वाले नेशनल हाईवे पर ही लागू किया जाएगा। स्टेट हाईवे से गुजरने पर आपके सामान्य फास्टैग अकाउंट से ही टोल का पैसा कटेगा। फास्टैग एनुअल पास के लिए रूपये 3000 की पेमेंट करने के बाद यह एक्टिव हो जाएगा, अब एक्टिव होने के लिए इसमें से कुछ देर तक समय भी लगता है। एनुअल पास एक्टिव होने के साथ-साथ आपकी गाड़ी में लगे फास्टैग में दो खाते बन जाएंगे। अब एक खाता एनुअल पास का होगा तथा एक खाता आपका सामान्य फास्टैग खाता होगा जो पहले से चला आ रहा होगा अगर आपके पास फास्ट टैक में एनुअल पास एक्टिव है और जब आप नेशनल हाईवे से गुजरेंगे, तो टोल का पैसा आपके एनुअल पास से कट जाएगा अब इसी तरह से जब आप स्टेट हाईवे से होकर जाएंगे तो टाल का पैसा आपके साधारण फास्टैग से ही कटेगा।

शेष : हथियारों के जखीरे के साथ दो आरोपी ...

हथियारों का पूरा जखीरा तैयार करता था। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि मदनपाल इससे पूर्व मेरठ जेल जा चुका है। एक बार जेल जाने के बाद बीच में उसने यह काम बंद कर दिया था, लेकिन फिर से असलाह बनाने का काम शुरू किया गया। पुलिस पूछताछ में इसके सहयोगी आसिफ ने जानकारी देते हुए बताया कि असलाह डील करने का काम भी वही करता था और वह अब तक 70 असलाह बेच चुका है, जिनकी सप्लाई सिर्फ मुजफ्फरनगर ही नहीं मेरठ, मवाना, सहारनपुर, बिजनौर, हरिद्वार आदि तक थी। पुलिस की मानें तो शाहपुर थानाध्यक्ष मोहित चौधरी सूचना पर बरवाला पहुंचे तो उक्त दोनों व्यक्तियों द्वारा अवैध शस्त्र निर्माण का काम किया जा रहा था। पुलिस ने दोनों की घेराबंदी की और दोनों को बिना कोई अनावश्यक बल प्रयोग किये गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से बने-अधबने अवैध शस्त्र बरामद किये गए, जिनमें 16 तमंचे 315 बोर, 01 तमंचा 12 बोर, 02 मस्कट 12 बोर, 01 बन्दूक 12 बोर, 01 तमंचा अधबना 12 बोर, 16 नाल छोटी बड़ी 315 बोर, 08 नाल छोटी बड़ी 12 बोर, 19 बॉडी तमंचा लोहे की, 01 खोखा कारतूस 12 बोर व 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर, 01 मोटर साईकिल स्पलैण्डर प्लस नम्बर यूपी 12 एवाई 7652 बरामद किए।